शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 160 | गुवाहाटी | बुधवार, 8 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अब विदेश भाग चुके अपराधियों को पकड़ना होगा आसान पेज 2
जामुगुड़ी उमावि के गौरवोज्ज्वल शताबदी महोत्सव में शामिल मंत्री पीयूष पेज 3
देशभर की जेलों में बंद सिखों की रिहाई की मांग को लेकर पंजाब-चंडीगढ़ ... पेज 5
ऑस्ट्रेलिया की डेविस कप टीम में शामिल हुए फिटनेस से जूझ रहे किर्गियोस पेज 7

असम की खदान में दबे तीन की मौत, छह की तलाश में जुटीं सेना-एनडीआरएफ की टीमें

- दस मजदूर बचाए गए
- असम पुलिस ने दर्ज की एफआईआर
- एक आरोपी गिरफ्तार

उमरांग्सू/गुवाहाटी (एजे. हि.स.)। बचावकर्मियों के लिए एक निराशाजनक दिन के अंत में, असम के डिमा हसाउ जिले में बाढ़ग्रस्त कोयला खदान में फंसे तीन खनिकों की मंगलवार को मौत की पुष्टि हुई, जबकि छह अभी भी फंसे हुए हैं। इसी बीच लगभग 300 फीट गहरी कोयला खदान में फंसे नौ खनिकों की पहचान प्रशासन ने की है। जिसमें गंगा बहादुर छेत्री (38), हुसैन अली (30), जाकिर हुसैन (38), सरपा बर्मन (46), मुस्तफा शेख (44), खुशीमोहन राय (57), संजीत सरकार (37), लिजोन मगर (26) और सरत ग्यारी (37) शामिल हैं। गौरतलब है कि शाम को, गहरे समुद्र के गोताखोरों सहित भारतीय नौसेना की एक

टीम घटनास्थल पर पहुंची, जहां गड्ढे के अंदर पानी का स्तर 200 फीट गहरा है। सोमवार की सुबह, पहाड़ी जिले डिमा हसाउ के 3 किलो, उमरांग्सू में एक कोयला खदान राज्य सरकार द्वारा संचालित असम खनन विकास निगम (एएमडीसी) ने पट्टे पर ले में 26 से 57 वर्ष की आयु के कम से कम नौ श्रमिक फंस गए। डिमा हसाउ में कोयला, चूना पत्थर और ग्रेनाइट की खदानें बड़े पैमाने पर हैं और उमरांग्सू के कोयला भंडार को रखा है। हालांकि, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पहली नजर में यह एक अवैध खदान लगती है। उधर असम पुलिस ने उमरांग्सू पुलिस थाना केस नं. 02/2025 के तहत, खदान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 3(5)/105 तथा बीएनएस की धारा 21(1) के तहत एफआईआर दर्ज किया है, जो उमरांग्सू खदान घटना की चल रही जांच से संबंधित है। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिलते हैं कि खदान अवैध रूप से संचालित हो रही थी। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति, पुणिश नुनिसा को गिरफ्तार किया है। जांच जारी है और घटना से जुड़ी अन्य जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। डिमा -शेष पृष्ठ दो पर

बचाव कार्य में मदद करेगी कोल इंडिया

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने कोल इंडिया लिमिटेड को असम की उमरांगसू खदान में बचाव कार्यों के लिए पूर्ण सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया हैं। यह निर्देश असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के तत्काल अनुरोध के बाद आया है। शर्मा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में त्वरित संघीय प्रतिक्रिया के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने इस मिशन में असम सरकार को -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

परीक्षा करने से लक्ष्मी स्थिर रहती है।

- आचार्य चाणक्य

तिब्बत में भूकंप से 95 लोगों की मौत

मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका, बिहार में भी महसूस हुए झटके

गंगटोक (हि.स.)। तिब्बत में आए शक्तिशाली भूकंप से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। अब तक कम से कम 95 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि सैकड़ों घर ढह गए हैं। मंगलवार सुबह तिब्बत के शिगात्से में 7.1 तीव्रता के भूकंप से चीन के साथ-साथ नेपाल, भारत, भूटान और बांग्लादेश हिल गया। बीबीसी न्यूज ने चीनी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि शक्तिशाली भूकंप के कारण तिब्बत क्षेत्र में कम से कम 95 लोगों की मौत हो गई है और सैकड़ों घर नष्ट हो गए हैं। भूकंप के बाद कई झटके महसूस किए गए, जिसका केंद्र नेपाल-चीन सीमा पर एवरेस्ट क्षेत्र के पास था। चीनी अधिकारियों ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 6.8 थी। चीनी अधिकारियों ने पुष्टि की कि भूकंप के बाद तिब्बत के शहर शिगात्से में सैकड़ों इमारतें ढह गईं और 130 से अधिक लोग घायल हो गए। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। चीनी सेना बचाव कार्य में लगी हुई है। माउंट एवरेस्ट के पास दूरदराज के इलाकों में मानव रहित ड्रोन तैनात किए हैं। विभिन्न स्थानों से प्राप्त वीडियो में बचावकर्मियों को मलबे में खोज करते और प्रभावित लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

स्कूल में पढ़ाई कर रहे 11 छात्र बेहोश

काठमांडू (हि.स.)। मंगलवार को नेपाल-चीन की सीमा पार आए 7.1 मैग्नीट्यूड भूकंप के दौरान काठमांडू में एक व्यक्ति ने जान बचाने के लिए छत से छलांग लगा दी। इसके अलावा एक स्कूल के क्लासरूम में पढ़ाई कर रहे कई छात्र डर से बेहोश हो गए। हालांकि, सभी को सामान्य उपचार के बाद सभी को घर भेज दिया गया। गृह मंत्रालय की तरफ से भूकंप को लेकर दिए गए अपडेट के मुताबिक काठमांडू के स्युचाटार इलाके में भूकंप आने के बाद अपनी जान बचाने के लिए स्युचाटार निवासी 20 वर्षीय युवक ऋषिकेश थापा ने अपने -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

चाईबासा में एक और आईईडी ब्लास्ट मासूम ने गंवाई जान

चाईबासा। झारखंड के चाईबासा जिले में उस वक्त हड़कंप मच गया जब नक्सलियों की तरफ से सुरक्षाबलों के लिए बिछाए आईईडी बम की चपेट में आने से एक बच्ची की मौत हो गई है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

डिब्रूगढ़ विवि के विद्वानों ने राज्यपाल से असम भर्ती नियमों पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया

डिब्रूगढ़। *असम कॉलेज कर्मचारी (प्रांतीयकरण) नियम, 2024* के मसौदे से परेशान, जिसमें असम भर के कॉलेजों में सहायक प्रोफेसरों की भर्ती के लिए एक परीक्षा आयोजित करने का प्रस्ताव है, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय अनुसंधान विद्वान संघ (डीयूआरएसए) ने आज राज्य के राज्यपाल से मुलाकात की और प्रस्तावित नए नियम पर अपना विरोध व्यक्त किया। डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के संगठन के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने यहां सर्किट हाउस में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की और प्रस्तावित नए नियम पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए ज्ञापन सौंपा। पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में डीयूआरएसए के अध्यक्ष दीमोनज्योति बोरा, उपाध्यक्ष जोन ज्योति सहरिया, महासचिव ज्योतिर्मयी सैकिया, सहायक महासचिव ध्रुबा ज्योति -शेष पृष्ठ दो पर

ओएनजीसी प्लांट में आग लगने से एक इंजीनियर की मौत : पुलिस

जोरहाट। असम के जोरहाट जिले में मंगलवार को तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के एक प्लांट में आग लगने से एक इंजीनियर की मौत हो गई। इंजीनियर की पहचान राहुल दत्ता के रूप में हुई है, जो बोरहोला स्थित कंपनी के ग्रुप गैदरिंग स्टेशन (जीजीएस) में काम कर रहा था, जब यह घटना हुई। जीजीएस एक ऐसी सुविधा है जिसका उपयोग कई कुओं से कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस को इकट्ठा करने और संसाधित करने के लिए किया जाता है। जोरहाट के पुलिस अधीक्षक श्वेतांक मिश्रा ने बताया कि हमें दोपहर के समय घटना की सूचना मिली और पुलिस की एक टीम को मौके पर भेजा गया। ओएनजीसी में इंजीनियर के तौर पर काम करने वाले एक व्यक्ति को गंभीर चोटें आईं और इस घटना में उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया और किसी के घायल होने या हताहत होने की कोई खबर नहीं है। पुलिस ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। कंपनी ने मंगलवार रात आठ बजे तक घटना के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है। उनके अधिकारियों से संपर्क नहीं हो सका।

राजघाट पर बनेगी पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की समाधि

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की समाधि बनाने के लिए *राष्ट्रीय स्मृति* परिसर के भीतर एक तय जगह को मंजूरी दे दी है। राष्ट्रीय स्मृति परिसर राजघाट परिसर का ही एक हिस्सा है। प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने यह जानकारी दी। इस संबंध में शर्मिष्ठा मुखर्जी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर उनका आभार प्रकट किया। प्रणव मुखर्जी का 31 अगस्त 2020 को निधन हो गया था। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और बाबा के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में चुनावी दंगल का आगाज

5 फरवरी को होगी वोटिंग, 8 को आएंगे नतीजे, आचार संहिता लागू

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आज चुनाव आयोग ने तारीखों का ऐलान कर दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि दिल्ली में एक चरण में वोट डाले जाएंगे। दिल्ली में वोट डालने की तारीख 5 फरवरी होगी जबकि नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। इसके साथ ही दिल्ली में आचार संहिता लागू हो गई है। दिल्ली में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच है। हालांकि कांग्रेस भी पूरी ताकत के साथ इस चुनाव में उतरने जा रही है। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को समाप्त हो रहा है और नए सदन के गठन के लिए उससे पहले चुनाव होने हैं। दिल्ली में पारंपरिक रूप से एक ही चरण में विधानसभा चुनाव होते रहे हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों से जूझ रही सत्तारूढ़ आप की नजर हैट्रिक पर होगी। अरविंद केजरीवाल के -शेष पृष्ठ दो पर

अनशन कर रहे पीके की तबीयत बिगड़ी आईसीयू में भर्ती

पटना। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को बिहार के पटना में मेदांता अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। प्रशांत किशोर बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की दोबारा परीक्षा की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर थे। सूत्रों ने बताया कि बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में आमरण अनशन के दौरान किशोर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बाद में उन्हें आईसीयू में स्थानांतरित कर दिया गया था। बताया जा रहा है -शेष पृष्ठ दो पर

समानता के प्रतीक हैं धार्मिक स्थल, यहां बंद हो वीआईपी कल्चर : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि वीआईपी व्यवस्था समानता के सिद्धांत के खिलाफ है और इसे धार्मिक जगहों से पूरी तरह समाप्त कर देना चाहिए। आगे उपराष्ट्रपति ने कहा कि धार्मिक स्थल समानता के प्रतीक हैं, जहां हर व्यक्ति ईश्वर के सामने बराबर होता है। वहीं उन्होंने जोर देकर ये भी कहा कि वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जिसे तत्काल समाप्त किया जाना चाहिए। वहीं, उन्होंने धर्मस्थलों पर समानता को स्थापित करने की बात कही। धनखड़ ने अपने संबोधन कहा कि धार्मिक स्थलों को समानता के प्रतीक के रूप में देखा जाना चाहिए। जब किसी को विशेषाधिकार दिया जाता है, या वीआईपी या वीवीआईपी का दर्जा दिया जाता है, तो यह समानता के विचार का अपमान है। इस दौरान उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश की राह पर बिहार

सीमांचल क्षेत्रों में 70 फीसदी तक पहुंची मुस्लिम आबादी

नई दिल्ली। बिहार के सीमांचल क्षेत्र में मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति और अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण हिंदू आबादी में तेजी से गिरावट देखी जा रही है। खासकर किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया जिलों में मुस्लिम जनसंख्या के बढ़ने के साथ-साथ इन क्षेत्रों की जनसांख्यिकी में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। यह मामला लालू यादव की पार्टी आरजेडी और उनके सहयोगी दलों की बढ़ती मुस्लिम तुष्टिकरण नीति से जुड़ा हुआ है, जो बिहार में एक गंभीर संकट का रूप ले सकता है। -शेष पृष्ठ दो पर

एचएमपीवी से चीन में बिगड़ने लगे हालात, वुहान में स्कूल बंद, डब्ल्यूएचओ ने वायरस पर मांगी रिपोर्ट

बीजिंग। कोरोना के बाद एक बार फिर चीन का नया वायरस *ह्यूमन मेटान्यूमो* दुनिया को डराने लगा है। चीन में वायरस से हालात बिगड़ने लगे हैं। वुहान में स्कूलों को बंद कर दिया गया है। यहां 10 दिन में एचएमपीवी के मामले 529 प्रतिशत बढ़े हैं। बच्चों में बढ़ते मामलों को देखते हुए ही ये फैसला लिया गया है। चीन में वायरस से हड़कंप मचा हुआ है। एंटीवायरल ड्रग की भारी कमी है। एंटीवायरल ड्रग की ब्लैक मार्केटिंग शुरू हो गई है। हालत ये हो गई है कि एंटीवायरल ड्रग 41 डॉलर में बिक रहे हैं। वायरस के बढ़ते मामलों से डब्ल्यूएचओ भी टेंशन में आ गया है। उसने चीन से एचएमपीवी की पूरी जानकारी मांगी है। चीन अभी तक एचएमपीवी मामलों पर जानकारी छुपा रहा है। दुनियाभर में एचएमपी वायरस तेजी से फैल रहा है। भारत, मलेशिया, जापान, कजाकिस्तान में मामले बढ़ रहे हैं। ब्रिटेन में भी संक्रमण फैल रहा है। चीन के इस नए वायरस से पूरे स्पेन में कोहराम मचा हुआ है। स्पेन में अस्पतालों के बाहर मरीजों की लंबी -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान में 901 लोगों को हुई मौत की सजा, इनमें 31 महिलाएं भी शामिल

जेनेवा। ईरान में पिछले साल 901 लोगों को मौत की सजा दी गई है। इसका खुलासा संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार ने किया है। पिछले साल दिसंबर महीने के सिर्फ एक हफ्ते में लगभग 40 लोगों को फांसी की सजा सुनाई गई। संयुक्त राष्ट्र ने ईरान से तुरंत फांसी की सजा पर रोक लगाने की मांग की। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार के प्रमुख वोल्कर तुर्क का कहना है कि ईरान में मौत की सजा पाने वाले लोगों की संख्या में हर साल इजाफा हो रहा है। यह बेहद परेशान करने वाली बात है। 2024 में ईरान में 901 लोगों को मौत की सजा दी गई। वोल्कर ने आगे कहा कि अब समय आ चुका है कि ईरान को इसे रोकना होगा। एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुताबिक ईरान चीन को छोड़कर बाकी अन्य देशों की तुलना -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

DECLARATION

That my correct name is Dipak kr. Agarwala and my name mistakenly written as Dipak Kr. Agarwal in my son's passport, In fact Dipak kr. Agarwala and Dipak kr. Agarwal both the names are of myself being the same and one person. This verification has been done on 6th January 2025 at Nagaon court premises under Affidavit No. IN-AS33665404253143X

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने भारतपोल पोर्टल किया लॉन्च कहा–

अब विदेश भाग चुके अपराधियों को पकड़ना होगा आसान

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को भारतपोल पोर्टल को देश की अंतर्राष्ट्रीय जांच के लिए एक नए युग में जाने की शुरुआत बताते हुए कहा कि अब विदेश भाग चुके अपराधियों को पकड़ने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि देश की प्रत्येक एजेंसी और सभी राज्यों की पुलिस इंटरपोल से जुड़कर सटीक विश्लेषण और समन्वय से अपराधों से निपटने में सक्षम बनेगी। केंद्रीय गृह मंत्री दिल्ली के भारत मंडपम में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा विकसित भारतपोल पोर्टल का शुभारंभ करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने 35 सीबीआई अधिकारियों, कर्मचारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और जांच में उत्कृष्टता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री पदक से सम्मानित किया। भारत में अपराध कर विदेश भाग जाने वाले अपराधियों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कई सारे अपराधियों ने दुनिया के अलग-अलग देशों में बैठकर भारत में अपराध को अंजाम दिया है या फिर अपराध करके विदेश में भाग गए हैं जिसके कारण वह हमारे कानून की पहुंच से बाहर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब आधुनिक व्यवस्थाओं का उपयोग करके कानून की पहुंच से बाहर रहे विदेश में बैठे अपराधियों और भारत में अपराध करके विदेश भागे अपराधियों को भारतपोल के माध्यम से देश वापस लाना और उन पर कानूनी कार्रवाई करना आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली में ट्रायल इन एसेंसिया (अनुपस्थिति में मुकदमा) का एक नया प्रावधान जोड़ा है। इसके माध्यम से एक न्यायिक प्रक्रिया के बाद इसको पूरा करके कोर्ट के आदेश के साथ उनकी अनुपस्थिति में इन पर ट्रायल चलाना सरल हो जाएगा। यदि उन्हें सजा मिलने पर विदेशों से भारत लाने में आसानी होगी। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि भारतपोल हमारे देश की अंतर्राष्ट्रीय जांच को एक नए युग में ले जाने की शुरुआत है। अभी तक सीबीआई एकमात्र एजेंसी थी जो इंटरपोल के साथ काम करती थी, लेकिन अब भारतपोल के शुभारंभ के साथ प्रत्येक भारतीय एजेंसी और सभी राज्यों की पुलिस आसानी से इंटरपोल के साथ जुड़कर सटीक विश्लेषण और समन्वय से अपराधों से निपटने में सक्षम बनेगी। उन्होंने कहा कि हम अंतराल को पाटने और अपराध को नियंत्रित करने के लिए कुशलतापूर्वक काम करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि भारतपोल में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक की मदद से हम इस अंतर को पाट सकेंगे। हमें कई ऐसी जानकारियां मिल सकेंगी जो अंतर्राष्ट्रीय अपराधों का विश्लेषण करने में मदद करेंगी और बदले में हमें अपराधों को होने से पहले ही रोकने के लिए एक ढांचा स्थापित करने में मदद करेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि एजेंसी तो बाद में सीबीआई ही रहेगी लेकिन इस तकनीक के आधार पर खड़ी की गई व्यवस्था के माध्यम से ढेरी सारी दूरियों को मिटा पाएंगे, ढेर सारी सूचनाओं को हम प्राप्त कर पाएंगे। इस तरह से सटीकता के साथ अनेक प्रकार के दुनिया के क्राइम को विश्लेषण करके हमारे यहां क्राइम होने से पहले उसे रोकने की संरचना भी खड़ी कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि भारतपोल पोर्टल जांच एजेंसियों और हर राज्य की पुलिस को 195 देशों के इंटरपोल नेटवर्क से जोड़कर अपराध नियंत्रण में ऐतिहासिक भूमिका निभाएगा।

दिल्ली का चुनाव विकास बनाम विनाश की लड़ाई : भाजपा

नई दिल्ली (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ ने कहा कि दिल्ली का चुनाव विकास बनाम विनाश की लड़ाई है। भाजपा दिल्ली को विकास की दिशा में ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि आम आदमी पार्टी (आआपा) ने पिछले 11 वर्षों में दिल्ली को बर्बाद करने का काम किया है। देश के लोकतंत्र में पहली बार ऐसा हुआ है कि मुख्यमंत्री और मंत्री जेल से सरकार चला रहे हैं। आप का एजेंडा सिर्फ झूठे वादे करना और भ्रष्टाचार में लिप्त रहना है। केजरीवाल ने दिल्ली में शराब घोटाला किया, जिससे परिवार तबाह हुए और छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो गया। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री चुघ मंगलवार को दिल्ली में आयोजित दलित स्वाभिमान सम्मेलन में को सम्बोधित कर रहे थे। चुघ ने आआपा की नीतियों और उसके भ्रष्टाचार पर तीखा प्रहार किया। चुघ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी अरविंद केजरीवाल को शराब घोटाले में अपराधी माना और इस पूरे घोटाले का किंगपिन बताया। चुघ ने आआपा सरकार और केजरीवाल की यमुना सफाई के झूठे वादों और असफलताओं को उजागर किया। उन्होंने कहा कि 11 साल से वादे किए गए, लेकिन नतीजा शून्य रहा। दिल्ली को गैस चैंबर बनाने का आरोप लगाते हुए चुग ने कहा कि मोदी सरकार की आयुष्मान योजना को लागू न करके केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को 5 लाख के मुफ्त बीमा से वंचित कर दिया। कोरोना के दौरान भी आप सरकार ने जनता को भगवान भरोसे छोड़ दिया, जबकि भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेवा में अपने प्राण तक न्योछावर कर दिए।

डिलाई में नाइट बस से 9 करोड़ की हेरोइन जब्त

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। कार्बी आंग्लांग जिले की डिलाई पुलिस ने सोमवार की रात एक नाइट बस में तलाशी अभियान चलाकर नौ करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन बरामद की। डिमापुर से मंजा जा रही एमएन-07 एच-0011 नंबर की बस में तलाशी के दौरान गुप्त चेंबर में छिपाकर लाए गए 100 साबुनदानी के डिब्बों में 1.220 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। पुलिस ने बस चालक अमीर खान (34) और सहायक सिंगमयुम सजात (25) को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपित मणिपुर के निवासी हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जब्त की गई हेरोइन की बाजार कीमत लगभग नौ करोड़ रुपए आंकी गई है। मामले की जांच जारी है।

बिश्वनाथ में काफी मात्रा में अरुणाचली शराब जब्त

बिश्वनाथ (हिंस)। बिश्वनाथ और जिनजिया पुलिस की सफलता में बड़ी मात्रा में अरुणाचली शराब जब्त की गई है। डब्ल्यू- 59 सी 6051 नंबर के तेल के टैंकर से यह शराब जब्त की गई। विशेष सूत्रों से प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस ने यह अभियान चलाया और शराब को जब्त करने में सफलता प्राप्त की।

बाक्सा जिले में दिव्यांगों के लिए चिकित्सा शिविर आयोजित

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिले के शालबाड़ी उपखंड के निमुआ बापूजी हाई स्कूल के खेल मैदान में बीटीआर सरकार के समाज कल्याण विभाग द्वारा विशेष रूप से सक्षम लोगों के लिए चिकित्सा स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया। शिविर में लगभग 300 विशेष रूप से सक्षम लोगों की जांच कर उन्हें सरकारी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बीटीआर समाज कल्याण विभाग के कार्यकारी सदस्य गौतम दास ने कहा कि बीटीआर क्षेत्र में करीब 26,000 विशेष रूप से सक्षम लोग हैं। इनमें से लगभग 7,000 दिव्यांग के पास पहले से प्रमाण पत्र है, जबकि बाकी लोग प्रमाण पत्र से वंचित हैं। उन्होंने बताया कि 2021 से अब तक 12,000 लोगों को प्रमाण पत्र दिया गया है। 2025 के जून तक सभी पात्र व्यक्तियों को प्रमाण पत्र प्रदान करने का लक्ष्य है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों सहित क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

मिसामारी में वायुसेना कर्मी ने की आत्महत्या

शोणितपुर (हिंस)। मिसामारी स्थित वायु सेना के जवान द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला आज सामने आया है। मृतक युवक वायुसेना में एकाउंटेंट के रूप में काम कर रहा था। युवक ने मिसामारी बंदरहागी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के सामने आत्महत्या कर लिया। मृत युवक की पहचान रूपक दास के रूप में हुई है। बताया गया है कि गरुबंधा इलाके का निवासी युवक एयरफोर्स में कुछ वित्तिय अनियमितता की थी। जांच से परेशान होने के बाद उसने आत्महत्या कर ली।

पृष्ठ एक का शेष

असम की खदान में ...

हसाउ के पुलिस अधीक्षक मयंक कुमार ने कहा कि एएमडीसी की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। असम के खान एवं खनिज मंत्री कौशिक राय, जो मंगलवार को साइट पर मौजूद थे, ने कहा कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि खनन कार्य सरकारी निगम द्वारा पट्टे पर दी गई भूमि पर किया जा रहा था या नहीं। उन्होंने कहा कि हम पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि खदान की स्थिति क्या है। भूविज्ञान एवं खनन निदेशक आ रहे हैं और उसके बाद ही यह पता चल पाएगा कि साइट एएमडीसी द्वारा पट्टे पर दिए गए क्षेत्र का हिस्सा थी या नहीं। दुर्गम स्थान होने के कारण सोमवार को बचाव कार्य में तेजी नहीं आई, लेकिन मंगलवार सुबह राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और सेना की टीमें मौके पर पहुंच गईं। हालांकि, मंगलवार शाम को अंधेरा होने तक किसी भी खनिक को बचाया नहीं जा सका था। एनडीआरएफ के एक अधिकारी ने बताया कि ये लोग केंद्रीय खदान से जुड़ी रैट होल खदानों में काम कर रहे थे, तभी उसमें बाढ़ आ गई और ऐसी संभावना है कि श्रमिक रैट होल सुरंगों में फंस गए हों। उन्होंने कहा कि यह 300 फीट गहरा गड्ढा है और इसमें अलग-अलग दिशाओं में चूहे के बिल जैसी सुरंगें हैं। जब खनिक खुदाई कर रहे थे, तो उन्होंने एक जल स्रोत से संपर्क किया, जिसके कारण यह बाढ़ में डूब गया। क्रेन और ट्रॉलियों का उपयोग करके, स्थानीय लोगों ने कुछ लोगों को बचाया, लेकिन नौ लोग अभी भी फंसे हुए हैं। गड्ढे के अंदर भारी रिसाव है और पानी की गहराई के कारण, वास्तविक स्थिति का आकलन करना मुश्किल है। बचाव अभियान के लिए नौसेना के गहरे समुद्र में गोताखोरों की आवश्यकता थी, जो विशाखापत्तनम से उड़ान भरकर शाम को पहुंचे। हालांकि अंधेरा था, फिर भी उन्होंने पानी के अंदर की स्थिति का आकलन करने के लिए रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल (आरओवी) को तैनात किया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी रिकी फुकन के अनुसार, उपलब्ध उपकरण गड्ढे से पानी निकालने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वहां 200 फीट पानी है और उसे बाहर निकालने के लिए केवल एक ही मशीन काम कर रही है। हम और उपकरण जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, अंधेरे के बाद बचाव अभियान नहीं चलाया जा सकता, लेकिन आरओवी स्थिति की जांच करने के लिए नीचे गया है।

बचाव कार्य में ...

पूर्ण समर्थन देने के लिए कोल इंडिया को तुरंत निर्देश जारी किए हैं। बचाव कार्य में पहले से ही कई एजेंसियों को शामिल किया गया है। राज्य के खान मंत्री कौशिक राय ने पुष्टि की कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, असम राइफल्स और भारतीय सेना की टीमें घटनास्थल पर काम कर रही हैं, साथ ही नौसेना और वायु सेना की इकाइयों से भी अतिरिक्त सहायता मिल रही है। इन प्रयासों के बावजूद अभी तक कोई भी जीवित व्यक्ति नहीं मिल पाया है। पुलिस जांच से पता चला है कि खदान अवैध रूप से चल रही थी। एक संदिग्ध पुनीश नुनिसा को गिरफ्तार कर लिया गया है और अधिकारी खनन कानूनों की विभिन्न धाराओं के तहत घटना की जांच कर रहे हैं। यह आपदा तब आई जब डिमा हसाउ जिले में रैट होल खदान में अचानक बाढ़ आ गई और मजदूर फंस गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भूमिगत जल स्रोत ने खदान की दीवारों को तोड़ दिया होगा, जिससे मजदूरों को भागने का समय नहीं मिला। वरिष्ठ अधिकारी बचाव अभियान का समन्वय करने के लिए मौके पर मौजूद हैं, जो कि लगातार जटिल होता जा रहा है क्योंकि पानी बचाव प्रयासों में बाधा डाल रहा है।

तिब्बत में भूकंप ...

को कठोर सर्दी से बचाने के लिए कंबल वितरित करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दक्षिण-पश्चिम चीन में भूकंप अक्सर आते रहते हैं। 2008 में सिचुआन प्रांत में आए भीषण भूकंप में लगभग 70,000 लोग मारे गए थे। चीन के सीसीटीवी के अनुसार मंगलवार के भूकंप से पहले पिछले पांच वर्षों में शिगात्से के आसपास 200 किलोमीटर के क्षेत्र में 3 या उससे अधिक तीव्रता के 29 भूकंप दर्ज किए गए थे। उधर देश के कई राज्यों सहित नेपाल, चीन से लेकर तिब्बत तक मंगलवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस हुए। नेपाल में तेज भूकंप आने के चलते बिहार में भी धरती डोली। बिहार के कई जिलों में इसका असर दिखा। वहीं, तिब्बत में भूकंप से सबसे ज्यादा नुकसान देखने को मिला है। वहां कई इमारतें धराशायी हो गई हैं, जिससे 32 लोगों की मौत हो गई और 38 लोग घायल बताए जा रहे हैं। बिहार के पटना, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, मोतिहारी, बेगूसराय, मुंगेर, शिवहर और सारण में भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेपाल में भूकंप की तीव्रता 7.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र चीन के कंट्रोल वाले तिब्बत में था। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (एसजीएस) के अनुसार, भूकंप तिब्बत के शिजांग में रहा। भूकंप के झटके नेपाल और भारत के बिहार, असम और सिक्किम में भी महसूस हुए। वहीं, बंगाल के मालदा और कुछ और इलाकों में भी धरती हिली। बात करते हुए मीरा अधिकारी नामक एक निवासी ने कहा कि जब भूकंप आया, उस समय मैं सो रही थी। बिस्तर हिल रहा था और मुझे लगा कि मेरा बच्चा बिस्तर हिला रहा है। मैंने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया, लेकिन खिड़की के हिलने से मुझे लगा कि यह भूकंप है। फिर मैंने जल्दी से अपने बच्चे को बुलाया और घर से बाहर निकलकर खुले मैदान में आ गई। मैं अभी भी डर के मारे कांप रही हूं और सदमे में हूं। एक अन्य निवासी बिप्लोव अधिकारी ने कहा कि मैं शौचालय में थी, मैंने देखा कि दरवाजा हिल रहा था। भूकंप महसूस होते ही मैं जल्दी से नीचे खुली जगह पर आ गई। मेरी मां भी डर गई थीं। दरअसल, पृथ्वी की चार प्रमुख परतें हैं, जिसे इनर कोर, आउटर कोर, मेंटल और क्रस्ट कहते हैं। जानकारी के अनुसार, पृथ्वी के नीचे मौजूद प्लेट्स घूमती रहती हैं, जिसके आपस में टकराने पर पृथ्वी की सतह के नीचे कंपन शुरू होता है। जब ये प्लेट्स अपनी जगह से खिसकती हैं तो भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं।

स्कूल में पढ़ाई कर...

मकान के छत से नीचे छलांग लगा दी जिसके कारण वह मामूली रूप से घायल हो गया। इसी तरह बारा जिले के कलैया में रहे त्रिचंद्र माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत 11 विद्यार्थी डर से बेहोश हो गए। हालांकि, सभी को सामान्य उपचार के बाद सभी को घर भेज दिया गया। इस विद्यालय के शिक्षक ने बताया कि सुबह के समय विद्यालय में पढ़ाई चल रही थी, जब अचानक ही सब कुछ जोर जोर से हिलने लगा। छात्रों में भूकंप आने की खबर फैलने के बाद क्लास रूम से बाहर निकलने के लिए भगदड़ मच गई। इसी दौरान कुछ छात्रों के बेहोश होने की खबर मिली। शिक्षक ने बताया कि बेहोश होने वालों में अधिकांश छात्राएं हैं, जो डर के कारण अचेत हो गई थी।

डिब्रूगढ़ विवि के विद्वानों ...

सोनोवाल और समन्वय सचिव बिटुप्रेटिव बोरूआ शामिल थे। राज्य के विश्वविद्यालयों के अन्य शोधार्थियों की तरह, डीयूआरएसए के सदस्यों ने कहा कि नेट/स्लेट जैसी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने और पीएचडी प्राप्त करने के बाद भी, किसी अन्य भर्ती परीक्षा की आवश्यकता नहीं है। सदस्यों ने कहा कि अकादमिक प्रदर्शन, शिक्षण अनुभव और शोध और प्रकाशनों की संख्या पर विचार न करने के अलावा, प्रस्तावित नए सेवा नियम केवल राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय परीक्षाओं के महत्व को कम करते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने मसौदे में सहायक प्रोफेसर की भर्ती के लिए योग्यता के रूप में पीएचडी को शामिल न करने को भी एक बड़ी भूल बताया तथा इस बात पर जोर दिया कि अधिकांश संस्थानों में शैक्षणिक पदों के लिए डॉक्टरेट की डिग्री एक बुनियादी आवश्यकता है। शोधार्थियों ने राज्यपाल से मौजूदा भर्ती प्रणाली पर पुनर्विचार सुनिश्चित करने तथा यदि आवश्यक हो तो इसमें बदलाव करने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की। हालांकि, यदि भर्ती परीक्षा आवश्यक समझी जाती है, तो एसोसिएशन ने सुझाव दिया कि परीक्षा के लिए पीएचडी अनिवार्य मानदंड होना चाहिए, जबकि भर्ती प्रक्रिया के लिए पिछले शैक्षणिक रिकॉर्ड, शोध प्रकाशन, कार्य अनुभव, विषय क्षेत्र का ज्ञान, साक्षात्कार और स्क्रीनिंग आदि को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए, एसोसिएशन ने ज्ञापन में उल्लेख किया। डीयूआरएसए के अध्यक्ष दीमोनज्योति बोरा ने बताया कि उन्होंने राज्यपाल से संपर्क किया क्योंकि वह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। बोरा ने कहा कि हमने प्रस्तावित नए सेवा नियमों के बारे में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के समक्ष अपनी आपत्ति व्यक्त की। हमने शोधार्थियों की ओर से प्रस्तावित नए नियमों के प्रति अपना विरोध जताया। कुलाधिपति ने हमारी बात सुनी और हमें राज्य सरकार के समक्ष इस मामले को उठाने का आश्वासन दिया। असम कॉलेज कर्मचारी (प्रांतीयकृत) अधिनियम, 2005 में संशोधन करने के बाद तैयार किया गया विवादास्पद मसौदा असम कॉलेज कर्मचारी (प्रांतीयकृत) विनियम, 2024, भर्ती परीक्षाओं के माध्यम से प्रांतीय कॉलेजों में शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति के बारे में है। प्रस्तावित मसौदे के अनुसार, एनईटी या एसएलईटी परीक्षा पास करने के बाद कॉलेज शिक्षण पदों के लिए आवेदन करने के लिए पहले से ही पात्र उम्मीदवारों की योग्यता को महत्व नहीं दिया जाता है।

5 फरवरी को होगी...

नेतृत्व वाली पार्टी ने 2015 और 2020 के चुनावों में क्रमश: 67 और 62 सीटों के साथ जीत हासिल की। पिछले दो चुनावों में केवल एक अंक तक सिमट गई भाजपा 26 साल के अंतराल के बाद राष्ट्रीय राजधानी में सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है। कभी 15 साल तक दिल्ली पर शासन करने वाली कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए आप के साथ गठबंधन करने के बाद अकेले चुनाव लड़ेगी। 2025 के पहले चुनाव को तीनों पार्टियों के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई के तौर पर देखा जा रहा है। पिछले साल, केजरीवाल ने शराब नीति मामले में जमानत के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और कहा था कि जब दिल्ली के लोग उन पर भरोसा जताएंगे तो वह दोबारा मुख्यमंत्री बनेंगे। इस बार, पार्टी सत्ता विरोधी लहर और अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात देने के लिए महिलाओं और बुजुर्गों को लक्ष्य करते हुए कई कल्याणकारी योजनाओं पर भरोसा कर रही है।

अनशन कर रहे ...

कि जब एक डॉक्टर ने किशोर को उनके घर पर देखा और अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी, तो पार्टी नेता उन्हें एम्बुलेंस में पटना में एक निजी स्वास्थ्य सुविधा में ले गए। इससे पहले डॉक्टर ने कहा कि कुछ चिकित्सीय समस्याएं हैं जिनकी गहन जांच की जानी चाहिए। वह संक्रमण और निर्जलीकरण से पीड़ित हैं। वह कमजोर भी हैं और असुविधा महसूस कर रहे हैं। अस्पताल रवाना होने से पहले किशोर ने संवाददाताओं से कहा कि मेरा आमरण अनशन जारी रहेगा। किशोर को सोमवार को पुलिस ने अवैध आमरण अनशन के लिए गिरफ्तार किया था।

समानता के प्रतीक...

कर्नाटक के एक धर्मस्थल का उदाहरण भी बताया, जो समानता का संदेश देता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पिछले कई सालों में धार्मिक स्थलों के बुनियादी ढांचे के विकास में एक सकारात्मक बदलाव आया। वहीं, उन्होंने कहा कि ये विकास केवल भौतिक सुधार नहीं हैं, बल्कि हमारी सभ्यता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण कदम भी हैं। धर्मस्थल पर आयोजित कार्यक्रम में धनखड़ ने नेताओं से राजनीति में कटुता से बचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। सत्ता महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इस दौरान उन्होंने भारत की विविधता और उसकी एकता पर बल दिया।

राजघाट पर बनेगी ...

स्मारक बनाने के उनके सरकार के फैसले के लिए तहे दिल से आभार जताया। यह इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमने इसकी मांग नहीं की थी। प्रधानमंत्री के इस अप्रत्याशित लेकिन वास्तव में दयालु कदम से मैं बेहद अभिभूत हूं। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने आगे कहा कि बाबा कहते थे कि राजकीय सम्मान मांगना नहीं चाहिए, ये मिलना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने बाबा की याद में ऐसा किया। यह बाबा के लिए मायने नहीं रखता है, वे तारीफ या आलोचना से परे रहे हैं। लेकिन उनकी बेटी के लिए इस खुशी को बयां कर पाने के लिए शब्द नहीं हैं। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने एक्स पर केंद्र सरकार के आदेश की कॉपी भी साझा की। केंद्र सरकार की ओर से शहरी और आवास मंत्रालय ने अपने आदेश में लिखा है कि सक्षम प्राधिकारी ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय प्रणब मुखर्जी की समाधि स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय स्मृति परिसर (राजघाट परिसर का एक भाग) के भीतर एक नियत स्थल को मंजूरी दे दी है। यह आदेश एक जनवरी 2025 का है।

सीमांचल क्षेत्रों में ...

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 1951 से 2011 के बीच बिहार के सीमांचल क्षेत्रों में मुसलमानों की आबादी 16 प्रतिशत बढ़ी, और अब यह संख्या 40 प्रतिशत से 70 प्रतिशत के बीच पहुंच चुकी है। खासतौर पर किशनगंज में मुसलमानों की जनसंख्या सबसे ज्यादा है। इतिहासकारों के अनुसार, बिहार के मुसलमानों ने विभाजन के समय पाकिस्तान बनाने में योगदान दिया था। पाकिस्तान के सिंध प्रांतीय विधानसभा के सदस्य सैयद एजाज उल हक ने हाल ही में इस बात की पुष्टि की कि बिहार के मुसलमानों ने गर्व से भारत के विभाजन में हिस्सा लिया था और पाकिस्तान के निर्माण में योगदान दिया था। राजद के नेता मुस्लिम समुदाय को खुश करने के लिए अक्सर हिंदू धार्मिक आयोजन और मान्यताओं का विरोध करते हैं। हाल ही में, रबड़ी देवी के घर के बाहर एक पोस्टर लगाया गया था, जिसमें *मंदिर का मतलब मानसिक गुलामी* लिखा था। यह पोस्टर राजद के विधायक फतेह बहादुर सिंह द्वारा लगाया गया था, जो हिंदू देवी-देवताओं पर विवादित बयान देने के लिए कुख्यात रहे हैं। बिहार में, खासकर दरभंगा और सीमांचल क्षेत्र में, जब राजद का शासन होता है, तो हिंदू धार्मिक आयोजनों पर हमले बढ़ जाते हैं। हाल ही में दरभंगा में सरस्वती पूजा के दौरान प्रतिमा विसर्जन के जुलूस पर मुस्लिम समुदाय ने हमला किया था। ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, खासकर जब राज्य में राजद की सत्ता होती है।

एचएमपीवी से चीन ...

कतार देखने को मिल रही है। स्पेन के एलिकांटे में 600 से ज्यादा *इन्फ्लुएंजा-ए* के केस मिले हैं। बात करें भारत की तो अब तक 5 राज्यों में 8 केस मिल चुके हैं। महाराष्ट्र में 2 मामले मिले हैं। यहां 13 साल की लड़की और 7 साल का बच्चा संक्रमित मिला है। दोनों बच्चे बुखार के बाद इस वायरस से संक्रमित पाए गए। कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात और पश्चिम बंगाल में भी केस मिले हैं। इस वायरस को लेकर केंद्र सरकार अलर्ट है। राज्यों में बैठकों का दौर जारी है। केंद्र सरकार ने राज्यों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और श्वसन संबंधी बीमारियों के लिए निगरानी बढ़ाने और एचएमपीवी की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाने की सलाह दी है। सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ एक डिजिटल बैठक की थी।

ईरान में 901 लोगों ...

में सलाना सबसे अधिक लोगों को मौत की सजा देता है। हालांकि विश्वसनीय आंकड़ों की कमी है। ईरान में हत्या, नशीले पदार्थों की तस्करी, दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न के मामलों में मौत की सजा का प्रावधान है। ईरान में मौत की सजा के बढ़ते चलन से मानवाधिकार कार्यकर्ता चिंतित हैं। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यालय के मुताबिक पिछले साल ईरान में दी गई फांसी के ज्यादातर मामले नशीली दवाओं से जुड़े थे। इसके अलावा 2022 के विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों को भी मौत की सजा दी गई है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई पर मृत्युदंड के माध्यम से ईरानी समाज में भय पैदा करने का आरोप लगाता है। ईरान में बड़ी तादाद में महिलाओं को भी फांसी की सजा सुनाई जाती है। नॉर्वे स्थित ईरान मानवाधिकार ने सोमवार को एक रिपोर्ट में कहा कि ईरान में 2024 में 31 महिलाओं को भी मौत की सजा सुनाई गई। यह संस्था ईरान में मृत्युदंडों के मामलों पर बारीकी से नजर रखती है। वोल्कर तुर्क ने कहा कि हम सभी परिस्थितियों में मृत्युदंड का विरोध करते हैं। यह जीवन के मौलिक अधिकार के साथ असंगत है। इसके अलावा निर्दोष लोगों को फांसी देने के जोखिम को भी बढ़ाता है।

No. TDI/NIT/2024-25/TB/20 *Date-06/01/2025*

SHORT TENDER NOTICE

Sealed tender affixing non- refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only in the prescribed form subsequently to be drawn in A.P.W.D. F2 form of Tender Agreement are hereby invited from the registered contractors of Irrigation Department, Assam for the following works and will be received by theDivision up to 2.00 PM on 13/01/2025 and will be opened on the same place and date at 3.00 P.M by the undersigned or officers authorized to open in presence of intending bidders or their authorized agent who wish to be present.

In the event of non-functioning of office on the date due to some reason, the next working day of the office hours will be the date of receiving and opening the lenders.

Sl. No.	Name of Work	Approximate Value	Gr. No.	Earnest Money	Time of Completion
1	Restoration of Main Canal at Ch 8445.00 m to 8500.00 m (Left Side) and 8500.00 m to 8525.00 m (Left Side) at Borolia Irrigation Project (Medium) under SOPD (M&R) BTC for the year 2024-25	Rs.5,00,000.00	I	2 % for General and 1% for MOBC/OBC/ST/SC	21 Days
2	Restoration of Main Canal at Ch 9960.00 m to 10000.00m & ch. 10000.00m to ch. 10030.00 m (Left Side) at Borolia Irrigation Project (Medium) under SOPD (M&R) BTC for the year 2024-25	Rs.5,99,966.00	II		21 Days
3	Repairing & renovation of Borolia Irrigation Scheme Under SOPD (M&R) for the year 2024-25 under Tamulpur Division (Irrigation), Tamulpur	Rs. 14,99,854.00	III		30 Days
4	Construction of R.C.C Canal at Jakoikona of Akaldonga Dong (Pub-Goibari) village under SOPD (M&R), BTC for the year 2024-25	Rs. 19,99,043.00	IV		45 Days
5	Constrruction of Main Canal (Left Embankment) from Ch. 10040.00m to 10100.00m at Borolia Irrigation Scheme under SOPD (M&R) BTC for the year 2024-25	Rs. 15,00,000.00	V		30 Days
6	Construction of earthen canal at Ainpara FIS under Tamulpur Division (Irrigation), Tamulpur	Rs.4,16,000.00	VI		15 Days
7	Reshaping &regrading work of main canal from ch. 1630.00m to ch. 1670.00m of Borolia Irrigation Scheme (Medium), Under Tamulpur Division (Irrigation), Tamulpur	Rs. 1,23,000.00	VII		10 Days

Detail particulars may be seen in the office of the undersigned during office hours on all working days. Tender papers may be obtained from the aforesaid office on payment of Rs. 500.00 (Rupees Five Hundred) only in cash, up to 1.00 PM on 13/01/2025.

Sd/-Executive Engineer,
Tamulpur Division (Irrigation),
Tamulpur

IPR(BTC)/C/2024-25/1261

मंत्री रूपेश ग्वाला ने सरूपथार में असमिया भोगाली मेले का किया उद्घाटन

गोलाघाट (हिंस)। भोगाली बिहू उत्सव के आयोजन में कुछ ही दिन शेष बचे हैं। इस बीच पूरे राज्य में भोगाली बिहू के आयोजन को लेकर जोरशोर से तैयारियां चल रही हैं। इस कड़ी में आज असम राज्य आजीविका मिशन गोलाघाट और गोलाघाट दक्षिण विकास खंड के सौजन्य से सेवागुड़ी साधना उद्यान में तीन दिवसीय असमिया भोगली मेले का शुभारंभ हुआ। भोगाली मेले का उद्घाटन गोलाघाट जिले के संरक्षक मंत्री रूपेश ग्वाला ने सरूपथार निर्वाचन क्षेत्र के विधायक बिश्वजीत फुकन की उपस्थिति में किया। उल्लेखनीय है कि असम महिला ग्रामीण जीविका अभियान स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से हर साल इस असमिया भोगाली मेले का आयोजन करता आ रहा है। सरूपथार निर्वाचन क्षेत्र के तहत 20 से अधिक एसएचजी भोगली मेले में भाग ले रहे हैं। मेले में स्थानीय उत्पाद जैसे लाड्डू, पीठा, चिउरा, विभिन्न प्रकार के अन्य खाद्य समग्री उपलब्ध है। जिसे खरीदने के लिए काफी संख्या में लोग मेले में पहुंच रहे हैं।

जामुगुड़ी उमावि के *गौरवोज्ज्वल शताबदी महोत्सव* में शामिल मंत्री पीयूष

सामाजिक जिम्मेदारी और माता-पिता के प्रति सम्मान के बिना कोई समाज में सम्मानित और स्वीकार्य नहीं हो सकता : मंत्री पीयूष हजारिका

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के जल संसाधन, सूचना और जनसंपर्क विभाग के मंत्री और शोणितपुर जिले के अभिभावक मंत्री पीयूष हजारिका ने मंगलवार शोणितपुर जिले के जामुगुड़ी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के गौरवोज्ज्वल शताबदी महोत्सव के पुस्तक विमोचन और सार्वजनिक सभा में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विधायक पद्म हजारिका और गणेश लिंबू सहित कई विशिष्ट व्यक्तियों की उपस्थिति में मंत्री ने विद्यालय के प्राचीन इतिहास और समाज के विकास में इसके योगदान को सराहा। मंत्री ने कहा कि 100 साल पहले जब बड़े जामुगुड़ीहाट क्षेत्र में पहला शैक्षिक संस्थान स्थापित किया गया था, तब यह दूरदर्शी लोगों की प्रेरणा का परिणाम था। शोणित कोंवर गजन बरुवा, प्रसिद्ध नाटककार भोला कटकई, अभिनेता लक्ष्मी बरठाकुर और साहित्य अकादमी से सम्मानित राधिका मोहन भागवती जैसे महान व्यक्तित्व इस विद्यालय से जुड़े रहे हैं, जिससे यह न केवल शोणितपुर, बल्कि समूचे राज्य के अग्रणी विद्यालयों में से

एक बन गया है। मंत्री ने यह भी कहा कि इस विद्यालय के सात छात्रों ने उच्च और उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में राज्य के शीर्ष 10 स्थानों में अपनी जगह बनाई है। इसके अलावा, प्राचीन और प्रख्यात सरकारी सेवाओं में कई पूर्व छात्र स्थापित हुए हैं। मंत्री ने उपस्थित छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि भारतीय नागरिक आज विश्व के प्रमुख संस्थानों में शीर्ष पदों पर हैं, विशेषकर कंप्यूटर और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में। उन्होंने उदाहरण के तौर पर माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, ट्विटर और विश्व बैंक जैसी वैश्विक कंपनियों में भारतीय नागरिकों की सफलता का उल्लेख किया। मंत्री ने छात्रों को शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यदि हम जीवन में सफल होना चाहते हैं तो हमें सही तरीके से पढ़ाई करनी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के साथ-साथ हमें समाज के प्रति जिम्मेदार भी होना चाहिए और अगर कोई व्यक्ति अपने माता-पिता और गुरु का सम्मान नहीं करता, तो वह कभी समाज में सम्मानित नहीं हो सकता। अंत में, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने विद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए आठ करोड़ रुपए की निधि मंजूर की है, और सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण विभाग से भी 20 लाख रुपए की अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी। आज की सभा में मंत्री ने *बृहत्तर जामुगुड़ीहाट क्षेत्र के सांस्कृतिक आंदोलन की रूपरेखा* नामक पुस्तक का भी विमोचन किया।

राज्यपाल ने की श्रीश्री एएसयू के पदाधिकारियों के साथ बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मंगलवार को डिब्रूगढ़ जिले के चबुआ में श्रीश्री अनिरुद्धदेव खेल विश्वविद्यालय (एएसयू) की गतिविधियों और अन्य विकास कार्यों का जायजा लेने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में कुलपति प्रो. जेपी वर्मा, जिला आयुक्त बिक्रम कोइरी और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के वरिष्ठ अधिकारी और विश्वविद्यालय के अन्य प्रमुख पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक की शुरुआत में कुलपति प्रो. वर्मा ने एक प्रस्तुति दी, जिसमें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक ढांचे, पाठ्यक्रम, शिक्षण और प्रशासनिक कर्मचारियों की संख्या और स्थिति आदि का विवरण दिया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय के कामकाज से संबंधित कई मुद्दों पर राज्यपाल का ध्यान आकर्षित किया। राज्यपाल आचार्य ने निर्माण गतिविधियों सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान दिया। उन्होंने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करने को कहा, ताकि विश्वविद्यालय छात्रों के लिए अपनी सभी सुविधाओं के साथ काम करना शुरू कर सके। चूंकि विश्वविद्यालय में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने की संभावना है, इसलिए राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के कुलपति और अन्य पदाधिकारियों से अपनी सेवाएं देने को कहा, ताकि विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के उद्देश्यों को पूरा कर सके। राज्यपाल ने कहा कि खेल एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिस पर केंद्र और राज्य सरकारों का बहुत ध्यान है।

जयंत मल्लबरुवा चुने गए एएफआई के उपाध्यक्ष

चंडीगढ़/गुवाहाटी (हिंस)। असम के कैबिनेट मंत्री जयंत मल्लबरुवा को चंडीगढ़ में आयोजित भारतीय एथलेटिक महासंघ (एएफआई) की वार्षिक आम बैठक के दौरान उपाध्यक्ष चुना गया है। चुनाव निर्विरोध हुआ, जिससे उन्हें अगले चार वर्षों के लिए यह पद मिल गया। वर्तमान में असम एथलेटिक संघ के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत मल्लबरुवा का चुनाव असम और उसके बाहर एथलेटिक्स और खेल विकास में उनके योगदान को मान्यता देता है। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री मल्लबरुवा ने आभार व्यक्त करते

हुए कहा उन्हें जो विश्वास और जिम्मेदारी सौंपी गई है, उससे वह बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह पद भारत में एथलेटिक्स को और आगे बढ़ाने और जमीनी स्तर पर पहल को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। वह पूरे देश में एक जीवंत खेल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के नव निर्वाचित सदस्यों में अध्यक्ष के रूप में बहादुर सिंह, सचिव के रूप में संदीप मेहता और वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में अंजू बॉबी जॉर्ज शामिल हैं।

शिवसागर से शुरू हुए गुणोत्सव में 1,241 शिक्षण संस्थानों के 70,717 छात्रों ने लिया हिस्सा

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर सहित राज्य के 10 अन्य जिलों में सोमवार से इस वर्ष का गुणोत्सव शुरू हुआ है। इस कड़ी में आज का कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह होने वाली प्रार्थना सभाओं के माध्यम से गुणोत्सव शुरू किया गया। शिवसागर के स्कूलों के निरीक्षक देबज्योति बरुवा आज शिवसागर शहर में लक्ष्मीनाथ बेजबरुवा शिशु भवन स्कूल में मौजूद थे और पिछले वर्षों की तरह, जिले को इस बार भी अच्छे परिणाम मिलने की उम्मीद जताई। इस साल, गुणोत्सव में शिवसागर जिले के 1,241 शैक्षणिक संस्थानों के 70,717 छात्र शामिल हैं। गुणोत्सव के लिए जिले में 482 बाह्य मूल्यांकनकर्ताओं, 123 समन्वयकों और 1241 नोडल शिक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पहले चरण का मूल्यांकन कल से चार दिनों के लिए होगा और यह नौ जनवरी तक चलेगा। गौरतलब है कि शिवसागर जिले ने वर्ष 2022 से *ए* ग्रेड प्राप्त करके जिले का गौरव बढ़ाया है। इससे पहले, जिले को 2017 और 2018 में *ए* ग्रेड भी मिले थे। वर्ष 2017 में जिले से *ए* ग्रेड प्राप्त करने वाले शिक्षण संस्थानों की संख्या 396 थी। इसके विपरीत, 2024 में, जिले से *ए* ग्रेड प्राप्त करने वाले शिक्षण संस्थानों की संख्या बढ़कर 899 हो गई। गुणोत्सव के जरिए राज्य सरकार विद्यालयों में बच्चों के शिक्षण एवं स्कूल के संसाधनों का आकलन किया जाता है। परिणाम मिलने के बाद राज्य सरकार आश्यक संसाधनों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था करती है, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके।

श्री गुवाहाटी गौशाला में श्री हरि सत्संग समिति की कृष्ण कथा का शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। श्री हरि सत्संग समिति, पूर्वोत्तर के सौजन्य से श्री गौहाटी गौशाला के वृंदावन गार्डन में पांच दिवसीय श्री कृष्ण कथा का शुभारंभ हुआ। इससे पहले व्यास पीठ पर विराजमान संत भूपेंद्र भाई पंड्या के गौहाटी गौशाला प्रांगण में पहुंचते ही कथाकार भाई बहनों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया।

सिदली राजस्व मंडल में बाढ़ और बिजली सुरक्षा पर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया

विकसित भारत समाचार

चिरांग। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) चिरांग ने असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के सहयोग से आज सिदली राजस्व मंडल कार्यालय में जागरूकता बढ़ाने के लिए *सुरोखितो एक्सोमर बेबे बटोर नैट-2.0* नामक एक नुक्कड़ नाटक का उद्घाटन किया। इस विशेष नाटक को एडीसी और डीडीएमए चिरांग के सीईओ अरूप चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर सिदली मंडल के 10 संवेदनशील क्षेत्रों के लिए रवाना किया, जिसमें लोगों को प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सुरक्षित रहने के बारे में शिक्षित किया गया। यह जन जागरूकता अभियान जिले के अन्य दो मंडलों, बिजनी और बेंगटोल में भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें तीन सप्ताह की अवधि के लिए प्रत्येक में 10 चयनित क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा। स्थानीय आबादी को जोड़ने और सूचित करने के लिए डिजाइन किया गया, नुक्कड़ नाटक बाढ़ और बिजली के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रथाओं पर प्रकाश डालता है। यह प्रदर्शन डीडीएमए और एएसडीएमए द्वारा एक व्यापक पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि समुदाय बाढ़ और बिजली गिरने के विनाशकारी प्रभावों के लिए बेहतर तरीके से तैयार हों, जो इस क्षेत्र में तेजी से आम हो गए हैं। इस पहल का उद्देश्य एक लचीली, अच्छी तरह से सूचित आबादी का निर्माण करना है जो इन प्राकृतिक आपदाओं से उत्पन्न चुनौतियों का प्रभावी ढंग से जवाब देने में सक्षम हो। जागरूकता अभियान के उद्घाटन समारोह में एएसडीएमए के जीआईएस विशेषज्ञ बीरेन बैश्य, एएसडीएमए के परियोजना अधिकारी निलिमय बरुवा, डीडीएमए, चिरांग के जिला परियोजना अधिकारी धनजीत दास, चिरांग के डीआईपीआरओ और वीसीडीसी, गांव बुराह के अध्यक्ष और सदस्य और सिदली फील्ड अधिकारी सहित कई प्रमुख स्थानीय अधिकारी भी शामिल हुए।

अक्रासू के तत्वावधान में मनाया गया 24वां शहीद दिवस

चिरांग (हिंस)। चिरांग के बिजनी अनुमंडल ऑल असम कोच राजवंशी स्टूडेंट यूनियन (अक्रासू) के तत्वावधान में मंगलवार को 24वां शहीद दिवस मनाया गया। यह आयोजन बिजनी-गेरुकाबाड़ी सड़क के पास स्थित अक्रासू के अनुमंडल कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर अक्रासू का झंडा बिजनी अनुमंडल अक्रासू के अध्यक्ष मनोज कुमार राय ने फहराया। चिलाराय सेना का झंडा अक्रासू के केंद्रीय संगठन सचिव गोपाल राय ने फहराया। कोच राजबंशी महिला समिति का झंडा केंद्रीय कार्यकारी सदस्य गोविंद राय ने फहराया। वहीं, सांस्कृतिक ध्वज महकुमा अक्रासू के पूर्व सांस्कृतिक सचिव हेमंत राय ने फहराया। शहीद वेदी पर दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण पूर्व अध्यक्ष धीरश्वर राय ने किया।

कवि अरणयम कश्यप की दूसरी काव्य पुस्तक *वसुधैव कुटुंबकम* का उन्मोचन

रंगिया (विभास)। असम पुस्तक मेले में सोमवार को रंगिया के जाने माने कवि तथा सामाजिक कार्यकर्ता अरण्यम कश्यप की दूसरी काव्य पुस्तक *वसुधैव कुटुंबकम* का उन्मोचन किया गया। इस मौके पर गुवाहाटी पुस्तक मेले में शाम को आयोजित इस कार्यक्रम में असम प्रकाशन परिषद के उपाध्यक्ष सुमंत चलिहा ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल जीओसी इन चीफ ईस्टर्न कमांड राणा प्रताप कलिता, प्रख्यात चित्र शिल्प समीक्षक अंकुर डेका, प्रख्यात छवि संचालक कृपाल कलिता और हेऊजी हेऊजी के मुख्य संपादक तरुण बर्मन शामिल हुए। इसके अलावा बहुत से प्रमुख पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र नेता और शुभचिंतक भी उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रांजल नाथ ने किया। प्रकाशक सेऊजी सेऊजी की *वसुधैव कुटुम्बकम* के उन्मोचन कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसकी शोभा बढ़ाने के लिए कवि अरण्यम कश्यप द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया है। साथ ही उन्होंने काव्य पुस्तक को समाज में सम्मान मिलने की उम्मीद जताई है।

नामेरी राष्ट्रीय उद्यान और बाघ परियोजना में शुरू जीप और हाथी सफारी

शोणितपुर (हिंस)। नामेरी राष्ट्रीय उद्यान और बाघ परियोजना में मंगलवार से जीप सफारी और हाथी सफारी की शुरुआत की गई। वन मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने नामेरी राष्ट्रीय उद्यान में इस जीप सफारी का उद्घाटन किया। साथ ही, मंत्री ने नामेरी राष्ट्रीय उद्यान के प्रवेश द्वार का भी उद्घाटन किया। 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर नामेरी बाघ परियोजना की रजत जयंती मनाई जा रही है। इस अवसर पर पहली बार जीप सफारी और हाथी सफारी शुरू कर पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाया गया है। मंत्री ने प्रवेश द्वार का उद्घाटन कर नामेरी राष्ट्रीय उद्यान में जीप सफारी के माध्यम से प्राकृतिक वातावरण का आनंद लिया। मंत्री के साथ वन्यजीव शाखा के प्रधान बिनय गुप्ता, सीसीएफ संदीप कुमार और नामेरी राष्ट्रीय उद्यान के क्षेत्र संचालक बी. पेराईशुधन भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि बाघ परियोजना की रजत जयंती नामेरी राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण द्वारा 90 दिनों के कार्यक्रमों का आज से औपचारिक रूप से शुभारंभ हुआ है।

बोड़ो साहित्य सभा का 64वां केंद्रीय सम्मेलन 9 से

उदालगुड़ी जिले की विशाल 500 बीघे भूमि में आयोजित होगा सम्मेलन

रंगिया (विभास)। बोड़ो साहित्य सभा का 64वां केंद्रीय सम्मेलन 9, 10, 11 और 12 जनवरी को दोईमू नगर समन्वय क्षेत्र, दीमाकुची, उदालगुड़ी जिले में आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन क्षेत्र की विशाल 500 बीघे भूमि में आयोजित होगा। बताया गया है कि सम्मेलन में इसवर्ष प्रदर्शनी एवं व्यापार मेला आकर्षक का केंद्र बिंदु होगा। यह कार्यक्रम 9 जनवरी से उदालगुड़ी जिले में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन के कार्यक्रमों के अंतर्गत 10 जनवरी को सुबह 11.30 बजे से बोड़ो भाषा का अनुभव, अभिज्ञता और भाषा की मर्यादा के विषय में अन्य संप्रदाय के लोगों के साथ वार्तालाप। बोड़ो साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ. सुरथ नार्जारी के संचालन में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय विधायक विश्वजीत दैमारी द्वारा किया जाएगा। बताया गया है कि इस कार्यक्रम में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर इस्माइल हुसैन, बीटीसी के ईएम अरूप कुमार दे, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी देबराज उपाध्याय आदि लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत दोपहर 12:30 बजे केंद्रीय मंत्री उरखाउ गौरा ब्रह्म द्वारा स्मारक पुस्तिका *डिमाकुची* का उन्मोचन किया जाएगा। वहीं

दोपहर 1 बजे से नेपाल, बांग्लादेश और कई अन्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ विचारों का आदान-प्रदान होगा जिसका शुभारंभ नेपाल के प्रतिनिधि रूपेश मेष करेंगे। इसके पश्चात कवि सम्मेलन जिसका शुभारंभ साहित्य अकादमी प्राप्तकर्ता नंदेश्वर दैमारी द्वारा किया जाएगा। इसके बाद शाम 6 बजे प्रथम प्रतिनिधि बैठक का पहला दिन का समापन किया जाएगा। इसके अलावा 11 जनवरी को सुबह 8 बजे बोड़ो साहित्य सभा का ध्वजारोहण, शहीद तर्पण और सुबह 10 बाजे से साहित्य सभा के पुरस्कार प्राप्त प्रदर्शन जिसमें असम सरकार के मंत्री डॉ. रनोज पेगू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि के रूप में असम साहित्य सभा की प्रतिस्थापक उपाध्यक्ष मृणालिनी देवी, असम साहित्य सभा के सचिव डॉ. उपेंद्रजीत शर्मा, डिमाशा साहित्य सभा के अध्यक्ष रमेश थाओचेन, गारो साहित्य सभा के सचिव जॉन केरी सांगमा और मिसिंग साहित्य सभा के सचिव सोमेश्वर पाकताक भाग लेंगे। बोड़ो साहित्य सभा द्वारा 8 अलग-अलग क्षेत्र में श्रेष्ठ लोगों को पुरस्कार प्रदान कार्यक्रम और दोपहर 12:30 बजे से एक सेमिनार आयोजित किया जाएगा। वहीं 2 बाजार से राष्ट्रीय स्तर की शैक्षिक चर्चा का दौर होगा और 6 बजे से दूसरी प्रतिनिधि बैठक आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही शाम सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन बीटीसी के ईएम दाओबैशा बोड़ो करेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत 12 जनवरी को सुबह 10 बजे से विभिन्न समुदाय समूहों के नृत्य की प्रस्तुति होगी और 12 बजे से खुली सभा का आयोजन किया जाएगा जिसका उद्घाटन बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो करेंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। इस सभा में आमंत्रित मुख्य अतिथियों में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, तेलंगाना के राज्यपाल विष्णुदेव बर्मा, मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनरेड सांगमा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेमसिंग तामांग सहित विशिष्ठ राजनीतिक, साहित्यकार, छात्र नेता आदि भाग लेंगे। कार्यक्रम में रात्रि डेमू नगर का सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसका उद्घाटन विधानसभा के अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी करेंगे। इस बीच 6 जनवरी को केंद्रीय राज्य मंत्री पवित्र मार्घेरिटा द्वारा सम्मेलन की प्रदर्शनी द्वार और व्यापार मेले का उद्घाटन सोमवार को किया जा चुका है।

ADVERTISEMENT

In pursuance to the approval of the letter No. GAD-514963/10, dtd. 13-12-2024, issued by the GAD, Assam, applications are hereby invited in prescribed format for filling up the 1(One) vacant post of **"District Administrative Head Assistant"** in the amalgamated establishment of the District Commissioner, Kamrup, Amingaon in the Pay Band (PB-3) Rs. 22,000 - Rs. 97.000/- with Grade Pay Rs. 10,300/- per month plus other allowances as admissible as per the provisions of the Assam Services(ROP) Rules,2017 and amendments thereof, and under "The Assam Ministerial District Establishment Service Rules, 1967" as amended.

The candidate, amongst the District Administrative Supervisory Assistants who have rendered not less than 3(three) years of continuous service as District Administrative Supervisory Assistant and must have working experience in different branches in any District Commissioner's Establishment may apply for the post.

Applications stating age, educational qualification, present and permanent address and experience in different branches supported by attested copies of certificate, a copy of recent passport size photograph along with Annual Confidential Reports of last 5(Five) consecutive years should reach the undersigned within 06/02/2025.

Application should be submitted through proper channel with service particulars to the District Commissioner, Kamrup, Amingaon.

The selection will be made strictly on merit.

-- Janasanyog /D/ 11468/24/8-Jan-25

District Commissioner,
Kamrup, Amingaon

संपादकीय

नये वायरस की दस्तक

पिछले दिनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर चीन में नया वायरस फैलने की आधी-अधूरी खबरें मिल रही थीं ,सोमवार तक उसी तरह के तीन मामले भारत में भी देखे गए। दो मामले बेंगलूरु में और एक मामला गुजरात में। छोटे बच्चों में फैलने वाले इस वायरस को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एडवाइजरी बता रही है कि घबराने की जरूरत नहीं है। यह वायरस दुनिया के कई देशों में पहले से ही मौजूद रहा है। हालांकि, यह कहना मुश्किल है कि चीन में फैल रहा वायरस कितना घातक है। केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सलाह दी जा रही है कि सावधान रहने की जरूरत है, घबराने की नहीं। लोग उसी गाइडलाइन का पालन करें जो कोविड के वक्त 'क्या करें और क्या न करें' के रूप में जारी की गई थी। दरअसल, चीन में ह्यूमन मेटा न्यूमो वायरस यानी एचएमपीवी के मामलों में वृद्धि की खबरों ने पूरी दुनिया में चिंता बढ़ाई है। हालांकि, दुनिया के चिकित्सा विशेषज्ञ कह रहे हैं कि यह सांसों से जुड़ा सामान्य वायरस है, जो सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियां पैदा करता है। खासकर बच्चे व बुजुर्ग इससे ज्यादा प्रभावित होते हैं। लेकिन चिंता तब पैदा हो सकती है जब पता चले कि चीन के उत्तरी इलाकों में फैलने वाला वायरस म्यूटेशन से गंभीर बन गया है। हालांकि, चीनी नीति-नियंताओं की दलील रही है कि उत्तरी गोलार्ध में ठंड के मौसम में सांस की नली का संक्रमण आम बात है। फिर भी बताते हैं कोरोना का स्रोत माने जा रहे चीन में इस वायरस को लेकर गंभीरता देखी जा रही है और उसके नियंत्रण के लिये चीन के नेशनल डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेन्शन संस्थान की देखरेख में विशेष निगरानी सिस्टम बनाया गया है। चीन सरकार ने दिसंबर के तीसरे सप्ताह में उत्तरी प्रांतों में चौदह साल से कम उम्र के बच्चों के इस वायरस से पीड़ितों की संख्या में वृद्धि के बाद यह कदम उठाया था। हालांकि, एचएमपीवी के स्रोत के बारे में अभी कोई ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं है। दरअसल, यह संक्रामक बीमारी दुनिया के विभिन्न देशों में किसी न किसी रूप में विद्यमान रही है। जिसमें खांसी व छींक से निकलने वाले थूक के कणों से यह वायरस फैलता है। ऐसे में संक्रमण से बचने के लिये हाथ मिलाने, दूसरों को छूने व गले मिलने से परहेज करने की सलाह दी जाती है। यदि हम सावधानी न बरतें तो वायरस हमें संक्रमित कर सकता है। कोरोना वायरस से बचाव की ही तरह खांसने -छींकने पर कपड़ा या रूमाल रखने की सलाह दी जाती है। निरंतर कपड़े को बदलने तथा नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने की भी सलाह दी जाती है। जुकाम लगने पर मास्क पहनने तथा घर पर आराम करने की भी सलाह दी जाती है। साथ ही गुनगुना पानी पीने तथा पौष्टिक आहार की सलाह भी दी जाती है। निश्चित रूप से दमा व सांस की अन्य बीमारियों व दूसरे गंभीर रोगों से पीड़ितों के लिये यह वायरस कुछ परेशानी बढ़ा सकता है। लेकिन इसमें अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति कम ही आएगी। चिकित्सक के परामर्श से ही खांसी- बुखार की दवा लेने की सलाह दी जाती है। बहरहाल, चिकित्सा विशेषज्ञ इस वायरस से भयभीत न होने की सलाह लगातार दे रहे हैं। उनका कहना है कि इस वायरस की खोज इस सदी के पहले ही वर्ष में हुई थी। वायरस का प्रसार चिड़ियाओं के जरिये हुआ था, जो इंसान को संक्रमित कर सकता था। इसकी दशकों से मौजूदगी के चलते लोगों में इसको लेकर एक स्तर तक रोग प्रतिरोधक क्षमता मौजूद है। यह एक सामान्य फ्लू की तरह बताया जा रहा है। हालांकि, इस वायरस के उन्मूलन के लिये कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। इसके विपरीत कोरोना ने इंसान को पहली बार संक्रमित किया था, कालांतर जिसने महामारी का रूप ले लिया था। वैसे दुनिया में चिंता इस वजह से है कि यह वायरस उसी चीन में फिर सामने आया, जहां से कोरोना का वायरस पूरी दुनिया में फैला था। हालांकि, सर्दियों के मौसम में आमतौर पर खांसी-जुकाम के मामले सामने आते हैं, लेकिन फिर भी सावधान रहने की जरूरत है।

केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सलाह दी जा रही है कि सावधान रहने की जरूरत है, घबराने की नहीं। लोग उसी गाइडलाइन का पालन करें जो कोविड के वक्त 'क्या करें और क्या न करें' के रूप में जारी की गई थी। दरअसल, चीन में ह्यूमन मेटा न्यूमो वायरस यानी एचएमपीवी के मामलों में वृद्धि की खबरों ने पूरी दुनिया में चिंता बढ़ाई है। हालांकि, दुनिया के चिकित्सा विशेषज्ञ कह रहे हैं कि यह सांसों से जुड़ा सामान्य वायरस है, जो सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियां पैदा करता है। खासकर बच्चे व बुजुर्ग इससे ज्यादा प्रभावित होते हैं। लेकिन चिंता तब पैदा हो सकती है जब पता चले कि चीन के उत्तरी इलाकों में फैलने वाला वायरस म्यूटेशन से गंभीर बन गया है। हालांकि, चीनी नीति-नियंताओं की दलील रही है कि उत्तरी गोलार्ध में ठंड के मौसम में सांस की नली का संक्रमण आम बात है। फिर भी बताते हैं कोरोना का स्रोत माने जा रहे चीन में इस वायरस को लेकर गंभीरता देखी जा रही है और उसके नियंत्रण के लिये चीन के नेशनल डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेन्शन संस्थान की देखरेख में विशेष निगरानी सिस्टम बनाया गया है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं

नेताओं की बढ़ती सम्पत्ति गरीबों को मुंह चिढ़ा रही है

योगेंद्र योगी

भारत में 12.9 करोड़ लोगों को एक वक्त का खाना भी ठीक तरह से मयस्सर नहीं होता और नेताओं की सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती सम्पत्ति इनकी गरीबी का उपहास उड़ा रही है। इस पर भी तुर्रा यह है कि देश के नेता आम जनता के लिए काम करते हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। उनके पास 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू दूसरे नंबर पर हैं। उनके पास 332 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तीसरे नंबर पर हैं। उनके पास 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में किया गया है। देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1,630 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपये है। भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपये थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत स्व-आय 13,64,310 रुपये है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 55 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन 1.18 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्रियों की इस सम्पत्ति का खुलासा चुनाव आयोग में दिए गए सम्पत्ति के ब्यौरे से हुआ है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग के पास ऐसा कोई तरीका नहीं है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि जो जानकारी दी है, वह सही या कुछ छिपाया गया है। दरअसल देश के नेता चुनाव आयोग को वही जानकारी देते हैं, जिसे वे आयकर रिटर्न में भरते हैं। देश में आयकर रिटर्न भरने वाले भी आयकर और प्रवर्तन निदेशालय के जाल में फंसते रहे हैं। सिर्फ रिटर्न फाइल कर लेने मात्र से किसी की सम्पत्ति या आय दूध की धुली नहीं हो जाती। यदि ऐसा ही होता तो देश के सैकड़ों नेता ईडी, सीबीआई और आयकर के लपेटे में नहीं आते। हालांकि इनके जाल में फंसने के बाद नेता यही राग अलापते रहे हैं कि विपक्ष में होने के कारण

उन्हें जानबूझ कर फंसाया गया है। विपक्षी दलों के दिग्गज नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर भी सवाल उठते रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्तारुढ भाजपा और उसके सहयोगियों में सभी ईमानदार हैं। चन्द्रबाबू नायडू और नीतिश कुमार के समर्थन से बहुमत में केंद्र की भाजपा सरकार में क्या इतना साहस है कि इनके दलों के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर कोई कार्रवाई कर सके। क्या यह संभव है कि इन दोनों दलों के नेताओं के भ्रष्टाचार की जानकारी केंद्रीय जांच एजेंसियों को नहीं हो। यही वजह है कि जांच एजेंसियों पर दुर्भावना से कार्रवाई करने के आरोप लगते रहे हैं। विपक्षी दलों का यह भी आरोप है कि जिन विपक्षी नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया, उनके मामले रफा-दफा कर दिए गए। 2014 से 2022 तक ईडी के निशाने पर रहे करीब 95 फ़ीसदी यानी 115 नेता विपक्ष से थे। हालांकि ये आंकड़े 2022 तक के ही हैं। इसके बाद 2023 में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए थे और इस दौरान विपक्षी दलों ने अलग-अलग राज्यों पर हुई ईडी, सीबीआई की छापेमारी को राजनीति से प्रेरित बताया था। वर्ष 2004-14 में 26 नेताओं से ईडी ने पूछताछ की थी। इनमें करीब 54 फ़ीसदी यानी 14 नेता विपक्ष से थे। यह संभव है कि मुख्यमंत्रियों और दूसरे नेताओं ने सम्पत्ति व्यवसायों के जरिए अर्जित की हो, या फिर पुश्तैनी हो। इसके बावजूद इतनी भारी सम्पत्ति होना देश में गरीबी की जीवन रेखा से नीचे रहने वालों को मुंह तो चिढ़ाती है। जबकि नेता आम लोगों के प्रतिनिधित्व का दावा करते हैं। वर्ष 2023 बहुआयामी गरीबी सूचकांक रिपोर्ट में पाया गया है कि दुनिया के सभी गरीब लोगों में से एक तिहाई से अधिक दक्षिण एशिया में रहते हैं- जो लगभग 12.9 करोड़ लोग हैं। भारत इस संख्या में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जो अत्यधिक गरीबी में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। विश्व बैंक अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा के आधार पर गरीबी को परिभाषित करता है, जिसके अनुसार प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2.15 डॉलर की दर से अत्यधिक गरीबी तय की जाती है, जबकि 3.65 डॉलर निम्न-मध्यम आय श्रेणी में आता है, तथा 6.85 डॉलर उच्च-मध्यम आय श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है। वैश्विक निर्धारित गरीबी रेखा 3.65 डॉलर प्रति व्यक्ति है। भारत का योगदान वैश्विक गरीबी दर में मामूली वृद्धि के 40 प्रतिशत के बराबर है, जो 23.6 प्रतिशत से बढ़कर 24.1 प्रतिशत हो गई है। भारत में गरीबी दर मिटाने के मामले में केरल सबसे आगे है। केरल में सिर्फ़ 0.71 प्रतिशत आबादी गरीब है। वहीं, बिहार, झारखंड, और उत्तर प्रदेश में गरीबी दर सबसे ज़्यादा है। बिहार में 51.91 प्रतिशत, झारखंड में 42.16 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 37.79 प्रतिशत आबादी गरीबी में रहती है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2024 के मुताबिक, भारत को 127 देशों में 105वां स्थान मिला। भारत, अपने पड़ोसी देशों श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार, और बांग्लादेश से भी पीछे है। भारत में भुखमरी की वजह से अक्सर मौत भी हो जाती है। भुखमरी के कारण बच्चों और वयस्कों में कुपोषण, बौनापन, और दुर्बलता हो सकती है। भुखमरी सिर्फ़ भोजन तक सीमित नहीं है, यह सरकार की ज़रूरतमंद लोगों की मदद करने में विफलता को दर्शाता है। भारत में भुखमरी की समस्या मुख्य रूप से बिहार, मध्य प्रदेश, असम, राजस्थान, और उत्तर प्रदेश में है। इन राज्यों में से, बिहार और उत्तर प्रदेश में भारत की कुल भूखी आबादी का एक तिहाई हिस्सा है। भारत में भ्रष्टाचार का आलम यह है कि देश का एक भी राज्य ऐसा नहीं है, जिसके विभाग को सौ प्रतिशत भ्रष्टाचार से मुक्त कहा जा सकता है। राज्यों में चाहे किसी भी दल की सरकारें हों, हर पार्टी सत्ता में आने के बाद यही दावा करती है कि भ्रष्टाचार को जड़मूल से मिटाया जाएगा। सत्ता में आते ही यह वादा हवा हो जाता है। जब कभी कोई भ्रष्ट कार्मिक पकड़ा जाता है, तब सरकार यही दावा करती है कि किसी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा, किन्तु यह दावा कभी नहीं करती कि जिस विभाग का आरोपी पकड़ा गया है, वह विभाग अब पूरी तरह से भ्रष्टाचार से मुक्त हो चुका है।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू दूसरे नंबर पर हैं। उनके पास 332 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तीसरे नंबर पर हैं। उनके पास 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में किया गया है। देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1,630 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52 .59 करोड़ रुपये है। भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपये थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत स्व-आय 13,64,310 रुपये है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7 .3 गुना है।

दृष्टि कोण

अपने ही सांसदों का विश्वास खो बैठे थे ट्रूडो

जस्टिन ट्रूडो के अच्छे दिन जाने वाले हैं। लिबरल पार्टी के नेता और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी। उनकी कुर्सी संभालने वाले का नाम फ़ाइनल होने तक वे पद पर बने रहेंगे। बुधवार को राष्ट्रीय कॉकस की बैठक से पहले उन्होंने अपनी बची-खुची इज्जत बचा ली। ट्रूडो एक विफल प्रधानमंत्री साबित हो चुके हैं। उनकी वजह से लिबरल पार्टी को चुनाव में मतदाताओं के बीच उतरना मुश्किल साबित हो रहा है। अब उस चेहरे की तलाश है, जिसे आगे कर आम चुनाव लड़ा जाये। ट्रूडो ने वित्त मंत्री डोमिनिक लेब्लांक से चर्चा की, कि क्या वह अंतरिम नेता और प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालने के लिए तैयार होंगे? डोमिनिक लेब्लांक की तरफ से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि वो इस ज़म्मेदारी को संभालने जा रहे हैं। लिबरल पार्टी को नेतृत्व देने के वास्ते जो संभावित दावेदार हैं, उनमें क्रिस्टिया फ्रीलैंड को भी आगे किया जा रहा है। पूर्व आवास मंत्री सीन फ्रेजर, विदेश मंत्री मेलानी जोली, नवाचार मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन, परिवहन मंत्री अनीता आनंद, पूर्व केंद्रीय बैंकर मार्क कार्नी, और पूर्व बी.सी. प्रीमियर क्रिस्टी क्लार्क जैसे नाम भी सामने आने लगे हैं। कनाडा की सत्ता के गलियारे में भूचाल की वजह सर्वेक्षण भी रहे हैं। पिछले एक साल के सर्वेक्षणों से पता चला है, कन्जर्वेटिव्स को सत्तारूढ़ लिबरल्स के मुक़ाबले दोहरे अंकों की बढ़त हासिल है। गुज़रे शुक्रवार को जारी 'एंगस रीड सर्वेक्षण' से पता चलता है, कि जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व में, लिबरल पार्टी को केवल 13 प्रतिशत मतदाताओं का समर्थन प्राप्त होना है, लेकिन यदि कोई नया नेता आता है, तो यह संख्या बदल भी सकती है। उदाहरण के लिए, वित्तमंत्री पद से इस्तीफा दे चुकीं सुश्री फ्रीलैंड यदि सत्ता संभालती हैं, तो 21 प्रतिशत मतदाता लिबरल पार्टी के लिए मतदान करेंगे, जो सर्वे के ज़रिये खंगाले गए लीड उम्मीदवारों में सबसे अधिक संख्या है। 'एंगस रीड' ने 27 दिसंबर से मंगलवार 31 दिसम्बर, 2024 तक, 2,406 कनाडाई वयस्कों के बीच ऑनलाइन सर्वेक्षण किया, जो एंगस रीड फ़ोरम के सदस्य हैं। इसके परिणाम के हवाले से क्रिस्टिया फ्रीलैंड को 'फ्रंट रनर' समझा जा रहा है। कनाडा में संसदीय चुनाव 20 अक्तूबर, 2025 को निर्धारित है। लेकिन, ट्रूडो की सत्ता में सहयोगी रही 'एनडीपी' के समर्थन वापस लेने का मतलब है कि चुनाव शायद बहुत पहले हो जाएं। यदि, चुनाव पहले कराना है, तो संसद की अनुमति चाहिए। कई लिबरल सांसद वित्त मंत्री के रूप में क्रिस्टिया फ्रीलैंड के प्रदर्शन से नाखुश थे, और उन्हें बदलने की वकालत कर रहे थे। क्रिस्टिया के इस्तीफे के बाद, बंदूकें ट्रूडो के विरुद्ध तन गईं। पिछले कुछ हफ्तों में क्षेत्रीय कॉकस की बैठकों, और लिबरल सांसदों की प्रतिक्रियाओं को देखकर लगने लगा है, कि प्रधानमंत्री ट्रूडो के पास अब टीम नहीं है। ट्रूडो यह कहने की हालत में नहीं हैं, कि उनकी छवि ख़राब करने में भारत और चीन ने साज़िश रची है। कनाडा की संसद में दो सदन हैं। निचला सदन, 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में 338 सदस्य हैं, जो एकल सीट वाले निर्वाचन क्षेत्रों से अधिकतम चार वर्ष के कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं। दूसरा है सीनेट, जिसके 105 सदस्य प्रधानमंत्री की सलाह पर गवर्नर जनरल द्वारा नियुक्त किये जाते हैं। संसद में आम तौर पर कई पार्टियों का प्रतिनिधित्व दिखता है, लेकिन कनाडा में दो प्रमुख राजनीतिक पार्टियां, 'लिबरल' और 'कंज़र्वेटिव' का दबदबा बना रहता है। ट्रूडो के बुरे दिन अक्तूबर, 2024 से शुरू हुए, जब उन्हीं की पार्टी के दो दर्जन सांसदों ने उनके इस्तीफे की मांग कर दी। क्रिसमस आते-आते पार्टी के अंदर विप्लवी सांसदों की संख्या 70 से ऊपर पहुंच गई। यह संकट और गहराया, जब क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने वित्त मंत्री, और उप प्रधानमंत्री के पद से अचानक इस्तीफा दे दिया था। क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने उस दिन पद छोड़ा, जिस दिन उन्हें अपना आर्थिक और राजकोषीय अपडेट देना था। जीएसटी अवकाश और 250 डॉलर की छूट जैसे खर्च के हथकंडों पर उन्होंने चिंता व्यक्त की, और संभावित ट्रम्प टैरिफ से निपटने में गंभीरता की कमी का हवाला दिया। इस काण्ड के बाद से अटलांटिक, ओंटारियो, और क्यूबेक कॉकस ने संकेत दिया है, कि उनके अधिकांश सदस्य अब ट्रूडो के शीर्ष पर बने रहने का समर्थन नहीं करते हैं। हाउस ऑफ कॉमन्स में ट्रूडो की पार्टी लिबरल्स के पास 153 सीटें हैं, जिनमें से 131 सीटें इन तीन क्षेत्रों में हैं। कनाडा की पॉलिटिकल कहानी का दूसरा पहलू है, भारतीय मूल के वोटर। कनाडा के सिखों का राजनीतिक दबदबा असाधारण है, क्योंकि वे ओंटारियो और ब्रिटिश कोलंबिया में लगभग दो दर्जन संघीय क्षेत्रों में केंद्रित हैं।

कुछ अलग

एक और खोजी पत्रकार शहीद हुआ

33 वषाय मुकेश चंद्राकर 1 जनवरी 2025 की रात से ही अपने घर से लापता थे। मुकेश स्वतंत्र पत्रकार के तौर पर एनडीटीवी के लिए काम करते थे, इसके अलावा वो यूटूब पर एक लोकप्रिय चैनल बस्तर जंक्शन का भी संचालन करते थे, जिसमें वे बस्तर की अंदरूनी खबरें प्रासारित करते थे। बस्तर में माओवादियों की ओर से अपहृत पुलिसकर्मियों या ग्रामीणों की रिहाईं में मुकेश ने कईं बार महत्वपूर्ण भूमिका निभाईं थी। प्रोस क्लब ऑफ इंडिया ने एक बयान जारी कर मुकेश चंद्राकर की हत्या की निदा की और मांग की है कि निाति समय के भीतर जांच पूरी की जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाईं की जाए। बस्तर के आईंजी पुलिस सुंदरराज पी ने कहा, पत्रकार मुकेश चंद्राकर के भाईं की शिकायत के बाद से ही पुलिस की विशेष टीम जांच कर रही थी। शुव्रावार की शाम हमने चट्टान पारा बस्ती में ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के परिसर में एक सैप्टिक टैंक से मुकेश चंद्राकर का शव बरामद किया है। इस मामले से संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मुकेश के मोबाइल के अंतिम लोकेशन ओर फोन काल के आधार पर जांच चल रही है। इसी दौरान ठेकेदार सुरेश चंद्राकर की ओर से अपने मजदूरों के लिए बनाए गए आवासीय परिसर में पुलिस ने खोजबीन शुरू की तो उन्हें एक ताजा वं्रीट की ढलाईं नजर आईं। पता चला कि यह पुराना सैप्टिक टैंक है, जिसके ढक्कन को बंद करके दो दिन पहले ही वं्रीट की ढलाईं की गईं है। पुलिस ने शव के आधार पर उस सैप्टिक टैंक को तोड़ा तो उन्हें पानी के भीतर पत्रकार मुकेश चंद्राकर का शव मिला। उनके शर पर गहरी चोट थी। यूकेश चंद्राकर के बड़े भाईं और टीवी पत्रकार मुकेश चंद्राकर ने बताया कि मुकेश चंद्राकर बुधवार (1 जनवरी 2025) की शाम को घर से लापता हुए थे। लेकिन घरवालों को अगली सुबह पता चला। शुरू में तो यूकेश ने सोचा कि उनके भाईं किसी खबर के लिए आसपास के किसी इलाके में चले गए होंगे। लेकिन जब उनका फोन बंद मिला तो उन्हें चिन्ता हुईं। मुकेश के अनुसार मैं और यूकेश अलग-अलग रहते हैं। यूकेश ने कहा, ठेकेदार सुरेश चंद्राकर की ओर से बनवाईं गईं सड़क के निर्माण में भ्रष्टाचार की एक खबर एनडीटीवी पर प्रासारित हुईं थी जिसके बाद सरकार ने इस मामले की जांच की घोषणा कर दी थी। बताया जा रहा है कि ठेकेदार सुरेश चंद्राकर इस खबर के छपने से बहुत परेशान के और उन्होंने मुकेश चंद्राकर को अपने घर मिलने के लिए बुलाया। सोशल मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार पहले तो मुकेश मुलाकात टालता रहा पर अततः पहली जनवरी शाम को सुरेश चंद्राकर से मिलने उनके घर गया। वहीं से वह गायब हो गया और फिर 3 जनवरी को सुरेश चंद्राकर द्वारा बनाए गए मजदूरों के लिए आवासों में बने एक सैप्टिक टैंक से उनका शव बरामद हुआ। एक और खोजी पत्रकार अपनी डाूटी निभाते हुए शहीद हुआ। हम मुकेश चंद्राकर को अपनी श्रद्धांजलि देते हैं और उनकी खोजी पत्रकारिता को सलाम करते हैं। उम्मीद करते हैं कि पुलिस हत्यारों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करेगी और उन्हें अदालत से कड़ी से कड़ी सजा दिलवाएगी। राज्य सरकार से भी अनुरोध है कि यह इस मामले को राजनीति से दूर रखे और मुकेश चंद्राकर और उनके परिवार को न्याय दिलवाने में पूरी मदद करे।

देश दुनीया से

विदेशी निवेश की संभावनाएं और चुनौतियां

हाल ही में 5 जनवरी को वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने कहा कि देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रवाह बढ़ रहा है, खास तौर से पश्चिम एशिया, जापान, यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के निवेशक भारत को सबसे महत्वपूर्ण निवेश गंतव्य के तौर पर मान्यता दे रहे हैं। लेकिन नए वर्ष 2025 में एफडीआई बढ़ाने के लिए यह जरूरी होगा कि भारत विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाने, नियामक बाधाओं को हटाने, बुनियादी ढांचे के विकास, व्यापार-कारोबार में बेहतरी, निवेश की क्षेत्रीय सीमाओं को उदार बनाने, नियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, नौकरशाही संबंधी बाधाओं को कम करने और कॉर्पोरेट को उनके विवादों को सुलझाने में मदद करने के लिए न्यायिक परिवेश बेहतर बनाने को आगे बढ़े। गौरतलब है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह अप्रैल, 2000 से सितंबर, 2024 तक 1000 अरब डॉलर को पार कर गया है। खासतौर से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल से सितंबर 2024 के दौरान 42.1 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है। यह निवेश 60 सेक्टर, 31 राज्य और केंद्रशासित क्षेत्रों में रहा है। खास बात यह भी है कि वर्ष 2014 के बाद से अब तक पिछले 10 वर्षों में 667.4 अरब डॉलर का एफडीआई आया है। भारत के आर्थिक विकास की यात्रा में एफडीआई का यह विशाल आकार एक बड़ी उपलब्धि है। यदि हम भारत में एफडीआई के स्रोत देशों की ओर देखें तो पाते हैं कि भारत में एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत मॉरीशस रहा है। मॉरीशस ने कुल विदेशी निवेश में 25 प्रतिशत का योगदान दिया है। सिंगापुर 24 प्रतिशत एफडीआई के साथ दूसरे स्थान पर है। अमेरिका का 10 प्रतिशत निवेश के साथ तीसरा स्थान है। इसके अलावा बड़े निवेशक देशों में नीदरलैंड्स, जापान और ब्रिटेन शामिल हैं। भारत में जिन क्षेत्रों में विदेशी निवेश आकर्षित हुआ है, उनमें आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, टेलीकम्युनिकेशंस, ट्रेडिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंसल्टेंसी सहित सर्विस सेक्टर प्रमुख सेक्टर हैं। निस्संदेह, देश को विदेशी निवेश का पसंदीदा देश बनाने में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर अनुमानों से अधिक रही है और इस चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भी यह करीब 7 फीसदी रह सकती है। भारत में तेजी से विदेशी निवेश आकर्षित होने के कई कारण हैं। भारत विश्व अर्थव्यवस्था में नई शक्ति प्राप्त कर रहा है। चार वैश्विक रुझान जनसांख्यिकी, डिजिटलीकरण, डीकार्बोनाइजेशन और डीग्लोबलाइजेशन न्यू इंडिया के पक्ष में हैं। भारत में मजबूत राजनीतिक नेतृत्व है। जिन सुधारों से विदेशी निवेश आकर्षित हुए हैं, उनमें मेक इन इंडिया पहल, आर्थिक उदार नीतियां, जीएसटी, प्रतिस्पर्धी श्रमिक लागत और रणनीतिक प्रोत्साहन, कई सेक्टर में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति, स्टार्टअप फंडिंग के लिए एंजेल टैक्स खत्म होना, विदेशी कंपनियों के लिए कॉर्पोरेट टैक्स में कमी प्रमुख हैं। इतना ही नहीं, भारतीय बाजार बढ़ती डिमांड वाला बाजार है। देश में प्रतिभाशाली नई पीढ़ी की कौशल दक्षता, आउटसोर्सिंग और देश में बढ़ते हुए मध्यम वर्ग की चमकीली क्रयशक्ति के कारण विदेशी निवेश भारत की ओर तेजी से बढ़ने लगा है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (अंकटाड) की वर्ल्ड इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट सहित विभिन्न वैश्विक रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में उद्योग-कारोबार को आसान बनाने के लिए विगत 10 वर्षों में करीब 1,500 पुराने कानूनों और 40 हजार अनावश्यक अनुपालन को समाप्त कर दिया गया है। आर्थिक क्षेत्र में दिवालिया कानून जैसे सुधार किए गए हैं। बैंकिंग क्षेत्र में जोरदार सुधार करके मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद की मदद से अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया गया है। कानून के कई प्रावधानों को

अपराध की श्रेणी से बाहर करने और एफडीआई के लिए नए रास्ते जैसे अभूतपूर्व कदमों से देश की ओर विदेशी निवेश का प्रवाह तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। निस्संदेह, वैश्विक स्तर पर सुस्त बाजारों और चीन की आर्थिक रफ्तार सुस्त होने के बीच भारत ने विदेशी निवेश प्राप्त करने का अब तक एक खास मुकाम हासिल किया है। विनिर्माता और निवेशक चीन का विकल्प तलाश रहे हैं और इस समय एशिया में अधिकांश निवेशकों को भारत से बेहतर कोई नहीं दिख रहा है। देश की अर्थव्यवस्था की चाल में लगातार सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) से अच्छा निवेश प्राप्त होने की बदौलत भारतीय शेयरों में तेजी दर्ज की जा रही है। देश में शेयर बाजार ने शानदार प्रदर्शन किया है। विदेशी निवेश की बदौलत भारत विश्व में नई परियोजनाओं की घोषणा करने वाला तीसरा देश बन गया है और अंतर्राष्ट्रीय परियोजना वित्त सौदों में दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए सरकार जिन रणनीतियों के साथ आगे बढ़ रही है, उससे देश में तेजी से विदेशी निवेश बढ़ रहा है। निश्चित रूप से बढ़ता मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर देश में एफडीआई की बड़ी ताकत बन गया है। मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट में चीन दुनिया में पहले स्थान पर है। साथ ही मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भारत 456 अरब डॉलर विनिर्माण मूल्य के साथ दुनिया में पांचवें स्थान पर है तथा अब नया विश्व मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की ओर अग्रसर है। भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को जिस तरह सुविधाओं के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, उससे दुनियाभर के निवेशक भारत आने के लिए उत्सुक हैं। इस समय भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी पांचवीं अर्थव्यवस्था है। अब इसे तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और भारत को विकसित देश बनाने की डगर पर आगे बढ़ाने के लिए उद्योगपतियों द्वारा अहम भूमिका निभाई जा रही है।

आप का नजरीया

ताकि बाल मन रहे सुरक्षित

निस्संदेह डिजिटल दौर ने बच्चों के जीवन को गहरे तक प्रभावित किया है। आज सोशल मीडिया युवाओं के संवाद का अभिन्न माध्यम बन गया है। लेकिन इसके साथ तमाम तरह के जोखिम भी जुड़े हैं, जिनसे किशोरों को बचाने की सख्त जरूरत है। भारत में वर्ष 2023 में लाए गए डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता-पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा एक सराहनीय कदम है। दुनिया के विभिन्न देशों में ऐसे कानून पहले से ही मौजूद हैं। यूरोपीय संघ के जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन के लिये सोलह साल से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिये माता-पिता की सहमति अनिवार्य है। वहीं यूएस चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट में 13 वर्ष के उपयोगकर्ताओं के लिये कड़े नियम लागू किए गए हैं। दरअसल, इन कानूनों का मकसद नाबालिगों को साइबर बुलिंग, शोषण व गोपनीयता के उल्लंघन से बचाना है। भारतीय कानून में भी इन नियमों का ध्यान रखा गया है। दरअसल, इन प्रावधानों की जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही है कि पूरी दुनिया में 58 फीसदी किशोर टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्मों के दैनिक उपयोगकर्ता हैं, जो नुकसानदायक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचैट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था। इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को बताया। दरअसल, भारत के प्रस्तावित नियम भी सोशल मीडिया कंपनियों को मजबूत उपायों के जरिये माता-पिता की सहमति से जवाबदेह बनाने का प्रयास ही है। जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों में भागेदारी में मार्गदर्शन करने का अधिकार मिल सके। इन नियमों को फुलप्रूफ बनाने में एआई संचालित आयु सत्यापन, डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित करने और इसके साथ ही पारदर्शी शिकायत तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इन उपायों की नियमित निगरानी, हितधारकों की प्रतिक्रिया तथा वैश्विक मानकों के साथ तालमेल से इस ढांचे को प्रभावी बनाया जा सकेगा। निस्संदेह, इन नियमों के अनुपालन से भारत में बच्चों के लिये सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बनाने के साथ ही वैश्विक प्रयासों में योगदान दिया जा सकता है। ऐसे वक्त में जब आज डिजिटल दुनिया से जुड़ाव अपरिहार्य है, बच्चों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता बनाना न केवल एक जिम्मेदारी है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। इस दिशा में स्थायी परिवर्तन के लिये माता-पिता, शिक्षक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के बीच बेहतर तालमेल बनाना वक्त की जरूरत है। साथ ही बच्चों को विवेकशील बनाने की दिशा में पहल की जानी चाहिए ताकि वे अपना भला-बुरा समझ सकें। इस दिशा में निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसियों की सजगता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मरीजों के ब्लड सैंपल लेने के आदेश के खिलाफ एकजुट हुए नर्सेज एसोसिएशन

जोधपुर (हिंस)। मथुरादास माथुर अस्पताल में लैब टैक्नीशियन की जगह नर्सेज द्वारा वार्ड में भर्ती मरीजों के ब्लड सैंपल लेने के आदेश जारी होने पर मंगलवार को नर्सेज एसोसिएशन ने एकजुट होकर विरोध-प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन के बाद अस्पताल अधीक्षक को उक्त आदेश निरस्त करने पड़े। दअसल अस्पताल प्रशासन ने लैब टैक्नीशियन की जगह नर्सेज द्वारा वार्ड में भर्ती मरीजों के ब्लड सैंपल लेने के आदेश जारी किए गए थे। इस आदेश के बाद नर्सेज में रोष व्याप्त हो गया। मंगलवार को सुबह राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष जगदीश जाट और राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जोधपुर के जिलाध्यक्ष विजेंद्र सिंह मेड़तिया के आह्वान पर सभी नर्सेज प्रशासनिक खंड के समक्ष एकत्रित हुए और इस आदेश का विरोध जताया। मेड़तिया ने बताया कि अस्पताल पहले से ही नर्सेज की कमी से जूझ रहा है और इस अस्पताल में अन्य अस्पतालों से नर्सेज को लगाकर कार्य व्यवस्था चलाई जा रही है। ऐसे में इस तरह के आदेश कोढ़ में खाज का कार्य कर रहे हैं एवं इससे व्यवस्थाएं और ज्यादा बिगड़ेगी और जो काम जिसका है उसी से करवाया जाए तो उचित रहता है। नर्सेज के प्रतिनिधि मंडल से इस बाबत अस्पताल अधीक्षक डॉ. नवीन किशोरिया के समक्ष इस आदेश को रद्द करने की मांग की। नर्सेज यूनियनों के नेताओं से वार्ता के बाद अधीक्षक ने यह आदेश निरस्त कर दिया।

देशभर की जेलों में बंद सिखों की रिहाई की मांग को लेकर पंजाब-चंडीगढ़ बॉर्डर पर हंगामा

चंडीगढ़ में घुसे प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, वाटरकैनन व आंसूगैस के गोले छोड़े

चंडीगढ़ (हिसं)। देशभर की जेलों में बंद सिखों की रिहाई के लिए चंडीगढ़ व पंजाब की सीमा पर कौमी इंसाफ मोर्चा के बैनर तले धरना दे रहे सिखों ने मंगलवार को चंडीगढ़ कूच के दौरान जमकर हंगामा किया। पुलिस ने उग्र भीड़ को काबू करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े। करीब तीन घंटे तक चंडीगढ़ पुलिस के साथ हंगामा चलता रहा। इस बीच कुछ प्रदर्शनकारी पुलिस को चकमा देकर चंडीगढ़ में दाखिल हो गए जिन्हें हिरासत में ले लिया गया। देशभर की जेलों में बंद सिखों की रिहाई की मांग को लेकर पिछले दो साल से चंडीगढ़-मोहाली की सीमा पर धरना चल रहा है। मंगलवार को इस धरने के दो साल पूरे होने के अवसर पर चंडीगढ़ व पंजाब बॉर्डर पर रैली कर चंडीगढ़ कूच करने का एलान किया गया था। जिसके चलते पंजाब में कट्टरपंथी सांसद अमृतपाल के पिता तरसेम सिंह, सांसद सरबजीत सिंह खालसा तथा पूर्व सांसद सिमरनजीत सिंह मान को पुलिस ने आज सुबह से ही नजरबंद कर लिया। बाद दोपहर मोहाली की सीमा पर जुटे सिखों ने चंडीगढ़ कूच का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया। जिसके बाद यहां विवाद बढ़ गया। प्रदर्शनकारियों ने बैरीकेड तोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास किया। इस पर पुलिस ने प्रदर्शकारियों पर लाठीचार्ज किया और वाटरकैनन के अलावा आंसूगैस के गोले भी छोड़े। किसानों के उग्र होने की खबर मिलने पर चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर व अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और प्रदर्शनकारियों को सेक्टर-43 में घेर लिया। पुलिस ने चंडीगढ़ की ओर कूच कर रहे किसानों को हिरासत में ले लिया और चार बसों में भरकर प्रदर्शनकारियों को थाने ले जाया गया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने फिर लौटने का एलान किया। प्रदर्शनकारी दोबारा कूच न करें, इसलिए पुलिस ने चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर 5 लेयर बैरिकेडिंग की है। साथ ही पत्थरों से भरे टिप्पर भी खड़े किए गए हैं। बंदी सिंघ मोर्चा के नेता बाबा शेर सिंह ने कहा कि 25 जनवरी को मोहाली में महापंचायत होगी, जिसमें बंदी सिखों की रिहाई का मुद्दा उठाया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि इस महापंचायत में देशभर से बड़े नेता पहुंचेंगे।

जेल में बंद खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल के पिता को पुलिस ने घर में किया नजरबंद

चंडीगढ़ (हिसं)। पंजाब पुलिस ने मंगलवार सुबह अमृतसर जिले के गांव जल्लूपुर खेड़ा में घेराबंदी करके खालिस्तान समर्थक सांसद एवं असम की जेल में बंद अमृतपाल के पिता को घर में नजरबंद कर दिया। अमृतपाल के पिता ने आज मोहाली में बंदी सिखों की रिहाई को लेकर चल रहे धरने में शामिल होने का एलान किया था। अमृतपाल की गैरहाजिरी में उसके पिता तरसेम सिंह ही उनकी राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। तरसेम सिंह ने ही माघी मेले के अवसर पर नया राजनीतिक दल बनाने का एलान किया था। इसके साथ ही उन्होंने मोहाली में चल रहे बंदी सिखों की रिहाई के लिए कौमी इंसाफ मोर्चे में अपने समर्थकों के साथ पहुंचने की बात कही थी। आज सुबह वह मोहाली आने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान भारी पुलिस बल जल्लूखेड़ा पहुंचा और गांव में नाकाबंदी कर दी। पुलिस ने तरसेम सिंह व उनके परिजनों को घर में नजरबंद कर दिया। तरसेम सिंह ने वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि भगवंत मान सरकार लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। गांव में आतंक का माहौल बनाया जा रहा है। तरसेम सिंह ने कहा कि उन्हें मोहाली में हो रहे समागम में शामिल होना था, इससे पहले ही पुलिस ने गांव को घेर लिया और नजरबंद कर दिया गया। तरसेम सिंह ने लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में मोर्चे पर पहुंचकर उनका समर्थन करें तथा जेल में बंद सिखों के अधिकारों की रक्षा करें।

भारतीय संस्कृति और डिजाइन को नई ऊंचाइयां देगा विजननेक्स्ट : प्रो. जीएचएस प्रसाद

जोधपुर (हिंस)। भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय के अंतर्गत विजननेक्स्ट प्रयोगशाला निफ्ट की एक अनोखी पहल है जो कि भारतीय फैशन और खुदरा बाजार के लिए ट्रेंड इनसाइट्स और फोरकास्टिंग प्रदान करने पर केंद्रित है। यह विभिन्न ट्रेंड से संबंधित परामर्श सेवाएं, शैक्षणिक पाठ्यक्रम, कार्यशालाएं आदि भी प्रदान करता है। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इमोशनल इंटेजिलेंस के संयोजन से विकसित किया गया है जो कि भारतीय बाजार के लिए पूर्णतया स्वदेशी पूर्वानुमान प्रणाली है। यह कहना था निफ्ट जोधपुर के निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद का, वे मंगलवार को निफ्ट परिसर में विजननेक्स्ट प्रयोगशाला पर आयोजित चर्चा में बोल रहे थे। प्रसाद ने कहा कि इसका मुख्य मिशन भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरत के हिसाब से भारत के फैशन परिदृश्य की जटिलता, विविधता का मानचित्रण, व्यवसायों, डिजाइनरों, ब्रांडों, खुदरा विक्रेताओं,

कारीगरों और बुनकरों को सशक्त बनाना है। इस तरह विजननेक्स्ट पहल स्वस्थ वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगी और भारतीय संस्कृति और डिजाइन को विश्व स्तर पर नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। प्रसाद ने कहा कि इस प्रकार ट्रेंड पूर्वानुमान क्षेत्र में भारत के प्रवेश से कई लाभ मिलेंगे, इससे यह वैश्विक पूर्वानुमान एजेंसियों पर निर्भरता कम करेगा, साथ ही भारतीय फैशन उपभोक्ताओं में अद्वितीय अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। यह सूचना तकनीक के क्षेत्र में वस्त्रों के साथ टैक्नोलॉजी, एआई व ईआई के संयोजन से भारत की ताकत को विश्व पटल पर बढ़ाने का कार्य करेगा। इस पहल में 70, 000 से अधिक प्राथमिक परिधान छवियों और 280, 000 से अधिक माध्यमिक छवियों की विशेषता वाले विस्तृत डेटासेट का निर्माण भी शामिल है, जो शैली, रंग और क्षेत्रीय प्रभावों जैसे प्रमुख परिधान विशेषताओं के विश्लेषण की अनुमति देता है। यह भारत में विशिष्ट उत्पाद विशेषताओं की पहचान करके फैशन के रुझानों की व्याख्या करता है, जैसे कि कुर्ता और कुर्ती के बीच अंतर करना, लाल या पीले जैसे रंगों को पहचानना, और सादे या धारीदार, छोटे या लंबे स्टाइल को नोट करना आदि भी शामिल है। इस प्रकार विजननेक्स्ट भारत में एकमात्र ट्रेंड इनसाइट्स रिसर्च लैब है जो 16 शहरों में 800 से ज़्यादा प्रशिक्षित ट्रेंड स्पॉटर्स के नेटवर्क के जरिए यह व्यापक डेटा इकट्ठा करती है। ये ट्रेंड स्पॉटर्स न सिर्फ़ रोजमर्रा की ज़िंदगी के मूड और भावना को कैप्चर करते हैं, बल्कि एक अनोखे नैतिक इमेज कलेक्शन प्लेटफ़ॉर्म के जरिए उभरते उत्पाद विवरण की जानकारी देने में सक्षम है।

बीकानेर की कला एवं संस्कृति से रूबरू होंगे बूंदी के युवा

बीकानेर (हिसं)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मत्रालय भारत सरकार के अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत माय भारत, नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में पांच दिवसीय आवासीय कार्यक्रम में बूंदी जिले के 27 युवा मंगलवार को बीकानेर पहुंचे। इसके साथ ही पांच दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत हुई। बूंदी के यह युवा बीकानेर की संस्कृति और विभिन्न नवाचारों से परिचित होंगे। उदासर के एक मरुधर होटल में आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम के शुभारंभ मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल मौजूद रहे। उन्होंने युवाओं को बीकानेर की कला एवं संस्कृति और इसके इतिहास के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बीकानेर की संस्कृति और परमपराएं देशभर में विशेष पहचान रखती है। बूंदी के युवा इससे परिचित हों और इसे समझने का प्रयास करें। वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र जोशी ने बीकानेर की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत, स्थापत्य, गंगा जमुनी तहजीब, लेखन परंपरा, लोक नाट्य रम्मत, पाटा संस्कृति आदि के बारे में बताया। उन्होंने बीकानेर की स्थापना से लेकर अब तक हुए प्रमुख बदलावों, तीज त्योहारों की जानकारी दी। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक हरिशंकर आचार्य ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने

जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तकों एव पत्रिकाओं के बारे में बताया। राज्य सरकार द्वारा आयोजित होने वाले रोजगार मेलों और विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम प्रभारी एवं जिला युवा अधिकारी रूबी पाल ने *एक भारत श्रेष्ठ भारत* योजना के तहत अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया। उन्होंने राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता में युवाओं का योगदान, नशामुक्त भारत के बारे में जानकारी दी। जिला युवा संगठन के गणेश तालनिया ने बीकानेर ग्रामीण परिवेश और ग्रामीण संस्कृति के बारे में बताया। पूर्व सरपंच ओम प्रकाश ने विकसित भारत के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन मनोहर सिंह भाटी ने किया। कार्यक्रम के दौरान बूंदी के युवाओं ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में मनोहरसिंह भाटी, छोटूराम पूनिया, मांगीलाल, मोहनसिंह, निशांत दुहन आदि मौजूद रहे।

बिधूड़ी के बयान पर सियासी बवाल

गहलोत ने भाजपा की चुप्पी पर उठाए सवाल

जयपुर (हिसं)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कालकाजी सीट से भाजपा के उम्मीदवार बनाए गए रमेश बिधूड़ी ने प्रियंका गांधी और दिल्ली की नेता आतिशी मार्लेना को लेकर विवादित टिप्पणी की है। उनके इस बयान पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। चुनाव प्रचार के दौरान वायरल हुए एक वीडियो में बिधूड़ी ने कहा कि लालू यादव ने कहा था कि बिहार की सड़कें हेमा मालिनी के गालों जैसी बना देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि कालकाजी में सड़कें प्रियंका गांधी के गाल जैसी बना दूंगा। उनकी इस टिप्पणी पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध जताया है। गहलोत ने रमेश बिधूड़ी के बयान को घृणास्पद और महिलाओं के सम्मान के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि देश में जिस तरह का माहौल बनाया जा रहा है, यह बेहद चिंताजनक है। बिधूड़ी जैसे नेता महिलाओं के खिलाफ इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो पूरी तरह से निंदनीय है। भाजपा को इस बयान पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं का सम्मान सुनिश्चित करना सभी नेताओं की जिम्मेदारी है। लेकिन भाजपा नेताओं की चुप्पी से यह स्पष्ट हो गया है कि उनके लिए महिला सम्मान कोई मायने नहीं रखता। यह घटना देश की राजनीति में बढ़ रहे ध्रुवीकरण और असंवेदनशीलता का प्रतीक है। गहलोत ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की राजनीति केवल ध्रुवीकरण पर आधारित है।

लोहड़ी पर कृषि कानून बिलों की प्रतियां जलाएंगे किसान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर धरना दे रहे किसानों ने इस बार लोहड़ी के अवसर पर कृषि कानूनों के ड्राफ्ट जलाने का एलान किया है। इसके अलावा किसानों ने 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर फिर से ट्रैक्टर मार्च निकालने की योजना पर भी मंथन शुरू कर दिया है। खनौरी में किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन मंगलवार को 43वें दिन भी जारी रहा। सोमवार की रात डल्लेवाल की तबीयत बिगड़ने के बाद मंगलवार को दिनभर खनौरी में किसानों ने उनके स्वास्थ्य के लिए पाठ किया। कड़ाके की ठंड के बावजूद किसान पंडाल में डटे रहे और डल्लेवाल की लंबी आयु की दुआ की। आज दिन में भी कुछ समय के लिए डल्लेवाल बेहोश हुए लेकिन उनकी हालत नियंत्रण में रही। इस बीच किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने बताया कि 6 जनवरी को शंभू बॉर्डर पर श्री गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाश पर्व मनाया गया है। केंद्र सरकार की तरफ से जो नई कृषि मार्केटिंग पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार किया गया है, वह रद्द किए गए कृषि कानूनों का रूप है। अब इसे नए रूप में लागू करने की तैयारी है। इसका किसान विरोध कर रहे हैं। 13 जनवरी को लोहड़ी के दिन, पूरे देश में इस ड्राफ्ट को जलाया जाएगा। 10 जनवरी को केंद्र सरकार के किसानों के प्रति अपनाए गए रवैये के विरोध में प्रधानमंत्री के पुतले जलाए जाएंगे।

मायावती को दिल्ली चुनाव में बसपा के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

लखनऊ (हिंस)। चुनाव आयोग ने दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए मंगलवार को चुनाव का एलान कर दिया। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने कहा कि पार्टी यह चुनाव अपनी पूरी तैयारी और दमदारी के साथ अकेले लड़ेगी। उनको दिल्ली में बसपा के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। मायावती ने एक्स पोस्ट में कहा कि चुनाव लोकतंत्र की रीढ़ है और बाहुबल एवं धनबल से दूर रहने वाले गरीबों-मजलूमों की पार्टी बसपा आयोग से यह उम्मीद रखती है कि वह स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने के क्रम में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के साथ ही साम्प्रदायिकता व अन्य घिनौने प्रचार से चुनाव को दूषित होने से बचाएगा। दिल्ली में 70 विधानसभा सीटों के चुनाव के लिए मतदान 5 फरवरी को होगा और मतों की गणना 8 फरवरी को होगी।

प्रदेश के लोगों को वायरस से चिंता करने की जरुरत नहीं : कुमारी आरती सिंह राव

कहा, हरियाणा का स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा में एचएमपीवी (ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस) से संक्रमण का कोई केस नहीं है फिर भी स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट है। उन्होंने प्रदेश के सभी सिविल सर्जन को इन्फ्लूएंजा, एचएमपीवी, आरएसवी एवं सांस से संबंधी अन्य बीमारियों के इलाज के लिए उचित प्रबंध करने के निर्देश दे दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री राव ने मंगलवार को चंडीगढ़ में बताया कि स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के महानिदेशक की ओर से भी सिविल सर्जन को एडवाइजरी जारी की गई है। इसमें कहा गया है कि वे एचएमपीवी समेत उक्त बीमारियों के प्रति अपने-अपने क्षेत्र में सतर्क रहें और प्रभावी तैयारी सुनिश्चित करें। सभी स्वास्थ्य केंद्रों में फ्लू कॉर्नर बनाए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि जिला स्वास्थ्य अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि फ्लू कॉर्नर के लिए नामित स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त संख्या में दवा, उपकरण, ऑक्सीजन तथा वेंटिलेटर हों एवं प्रशिक्षित कर्मचारियों की ड्यूटी लगातार रोटेशन में लगाएं। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इन केंद्रों के प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ओस्टेलमाविर 75, 45, 30 मिलीग्राम और सिरप के साथ-साथ पीपीई, एन-95 मास्क, अभिकर्मक किट, वीटीएम आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करें। जिला स्वास्थ्य अधिकारी इन स्पेशल केंद्रों में मौसमी इन्फ्लूएंजा और अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों के लिए समर्पित बिस्तर सुनिश्चित करें। सभी स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारी ड्यूटी के दौरान बार-बार हाथ धोएं तथा जिनको खांसी, जुकाम के लक्षण हों, वे मास्क पहनें। उन्होंने बताया कि प्रत्येक जिला निगरानी इकाई को अपने क्षेत्र में इन्फ्लूएंजा जैसे लक्षणों से मेल करती बीमारियां तथा सांस के गंभीर लक्षणों के रुझान पर निगरानी रखें और जरुरत पड़ने पर गंभीर मामलों में सैंपल की जांच करवाएं। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश के लोगों में सर्दी के मौसम में होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूकता की गतिविधियों को बढ़ाना, सांस लेने तथा हाथों की स्वच्छता के पालन के बारे में सचेत करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सिविल सर्जन यह निर्देश भी दिए हैं बुजुर्गों, बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखा जाए और स्थानीय इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारियों से मीटिंग कर उनसे नियमित जानकारी प्राप्त कर विभाग को प्रतिदिन रिपोर्ट करें।

शीतलहर ने कंपकंपाया प्रदेश को, अभी और बढ़ेगी सर्दी

जयपुर (हिसं)। प्रदेश में चल रही शीतलहर ने आमजन की धूजणी छुड़ाकर रख दी है। आगामी दिनों में प्रदेश में शीतलहर का प्रकोप और बढ़ेगा। इससे सर्दी में और तेजी आएगी। सर्दी के साथ प्रदेश के अधिकांश शहरों में घना कोहरा देखने को मिला। इससे आमजन के साथ सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हुआ। प्रदेश के 25 शहरों का रात का पारा 10 डिग्री से नीचे रहा। तीन शहरों का रात का पारा 5 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। 2.5 डिग्री के साथ नागौर की रात सबसे सर्द रही। घने कोहरे के चलते वाहन चालकों को लाइट्स का सहारा लेना पड़ा। कोहरे के चलते विजिबिलिटी 10 से 50 मीटर के बीच रही। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि मंगलवार को राज्य में मौसम मुख्यत: शुष्क रहा। राज्य में कहीं कहीं पर घना कोहरा दर्ज किया गया। पूर्वी राजस्थान में कहीं कहीं पर शीत दिन दर्ज किया गया। राज्य में आगामी 48 घंटों में न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट होने की संभावना है। इसके बाद पारे में बढ़ोतरी होने की संभावना है। बीकानेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ भागों में आगामी दो दिन तक कहीं-कहीं शीत लहर दर्ज किए जाने की संभावना है। एक और मजबूत पश्चिम विक्षोभ के सक्रिय होने से 10-12 जनवरी के दौरान बीकानेर, जयपुर और भरतपुर संभाग में मेघगर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। प्रदेश के शहरों के रात के तापमान में 2 से 6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा नागौर के पारे में 6.4 डिग्री गिरावट दर्ज की गई।

उप्र में कई आईएएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में मंगलवार को कई आईएएस अधिकारियों के तबादले हुए हैं। इनमें तीन ऐसे आईएएस हैं, जो अवमुक्त किए गए हैं। उनमें प्रमुख सचिव खेल एवं युवा कल्याण विभाग आलोक कुमार द्वितीय, प्रमुख सचिव स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग लीना जौहरी, महानिरीक्षक निंबधन डॉ. रूपेश कुमार को उनके मौजूदा प्रभार से अवमुक्त कर दिया गया है। वहीं, अमित गुप्ता को प्रमुख सचिव, स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग तथा महानिरीक्षक निबंधन उत्तर प्रदेश बनाया है। मनीष चौहान को प्रमुख सचिव खेल एवं युवा कल्याण विभाग, डॉ. मुथु कुमार स्वामी को सचिव, वित्त विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। इसके अलावा के विजयेंद्र पांड्या को आयुक्त कानपुर मंडल के पद का अतिरिक्त प्रभार मिला है। बालकृष्ण त्रिपाठी को आयुक्त विन्ध्याचल मंडल भेजा है। इसके साथ ही विवेक को आयुक्त आजमगढ़ मंडल, अजीत कुमार आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बनाए गए हैं। नरेंद्र प्रसाद पांडेय को सचिव, नियोजन विभाग तथा महानिदेशक, अर्थ एवं सख्या उप्र की जिम्मेदारी मिली है।

सनातन धर्म को पाश्चात्य संस्कृति से खतरा : गोस्वामी प्रियेंदु बाबा

गोरखपुर (हिंस)। दानवीर बाबू बालमुकुंद लाल की 151वीं जयंती समारोह के अवसर पर संबोधित करते हुए षष्ठपीठाधीश्वर गोस्वामी प्रियेंदू बाबा ने कहा कि सनातन धर्म को पाश्चात्य संस्कृति से खतरा है। पाश्चात्य संस्कृति की आंधी में हमें अपनी सनातन परंपरा की रक्षा करनी होगी। सनातन हमारा आत्म बल है। इसे बचाने के लिए हमारा एकजुट होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि देश का नेतृत्व सनातन के महत्व को बखूबी समझता है। समाज को भी एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। इसकी शुरुआत आप अपने परिवार से करें। बच्चों को सनातन मूल्य से जोड़ने की प्राथमिक जिम्मेदारी उनके अभिभावकों की ही है। जब हम अपना परिवार बचाएंगे तो सनातन परिवार बचेगा। हमें अपने मूल घर को पहचानना होगा। उन्होंने दानवीर बाबू बालमुकुंद लाल को स्मरण करते हुए कहा कि हमें अपने पूर्वजों के सम्मान से ही उचित मार्गदर्शन प्राप्त होगा। हमें अपने पूर्वजों के पद-चिन्हों पर चलने से जीवन को सफलता एवं सार्थकता दोनों अवश्य प्राप्त होगी। बाबू बालमुकुंद लाल पर साक्षात भगवत-बल था, जिसकी बदौलत उन्होंने अपने जीते-जी तो समाज की चहुमुखी सेवा की ही, चैरिटेबल ट्रस्ट बनाकर अपने मृत्योपरांत भी आज तक सेवा कर रहे हैं। बाबू बालमुकुंद लाल चैरिटेबल ट्रस्ट गरीब व बीमार के निशुल्क इलाज

के साथ ही लड़कियों की शिक्षा पर विशेष रूप से कार्य कर रहा है। बाबू बालमुकुंद लाल के पास अपना वारिस नहीं था, तो उन्होंने डीबी इंटर कॉलेज की स्थापना कर संतान भाव से बच्चों को शिक्षित किया। डीबी इंटर कॉलेज अब तक लाखों छात्रों को शिक्षित कर चुका है। लड़कियों की शिक्षा हेतु रामदेई देवी कन्या इंटर कॉलेज अपने स्थापना काल से ही महिला सशक्तिकरण का कार्य कर रहा है। बनमालीदास चिकित्सालय नि:शुल्क चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी सेवा दे रहा है। मुख्य ट्रस्टी अनंत प्रकाश अग्रवाल व शगुन कृष्ण अग्रवाल ने बताया कि बाबू बालमुकुंद लाल के सेवा कार्यों को और ऊंचाई दी जाएगी। इसके विकास में हम निरंतर विचार विमर्श व कार्य कर रहे हैं। यह सेवा कार्य ही हमारी शक्ति है और यही बाबू बालमुकुंद लाल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भी। विशेष अतिथि के रूप में ओम जालान, एस के अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष, चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज, इन्द्र रमण दास, अध्यक्ष, बालमुकुंद लाल चैरिटेबल ट्रस्ट, सावित्री दास, मंजुला दास, प्रो. शिवशरण दास, डॉ.आनंद किशोर, रामजी अग्रवाल की उपस्थिति रही। इस अवसर पर शहर के तमाम गणमान्य उद्यमी, शिक्षाविद, चिकित्सक आदि के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिलाएं व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कटिहार के मनिहारी में उल्कापिंड के टुकड़ा गिरने से मचा हड़कंप

कटिहार (हिंस)। कटिहार के मनिहारी अनुमंडल अंतर्गत मनिहारी वार्ड संख्या सात में एक अजीब घटना घटी। बासुदेव सिंह के घर पर एक पत्थर गिरा, जिससे उनके घर में धुआं भर गया। यह घटना रविवार रात रात करीब 11 बजे की गया। सुबह जब बासुदेव सिंह ने अपने आंगन में देखा तो नारंगी रंग के अजीब पत्थर के टुकड़े बिखरे पड़े थे। मंगलवार को मीडिया को उक्त घटना की जानकारी देते हुए बासुदेव ने बताया कि पड़ोस के बच्चों ने उनमें से एक टुकड़ा खेलते हुए अपनी जेब में रखा, लेकिन अचानक वह टुकड़ा जल उठा, जिससे बच्चे की पैंट और जांघ का हिस्सा जल गया। बच्चे ने जैसे-तैसे पत्थर को जेब से बाहर निकाला, लेकिन इस प्रयास में उसकी उंगली भी झुलस गई। उन्होंने बताया कि घटना के बाद पत्थर के सभी टुकड़ों को एकत्रित कर अलग रखा गया।

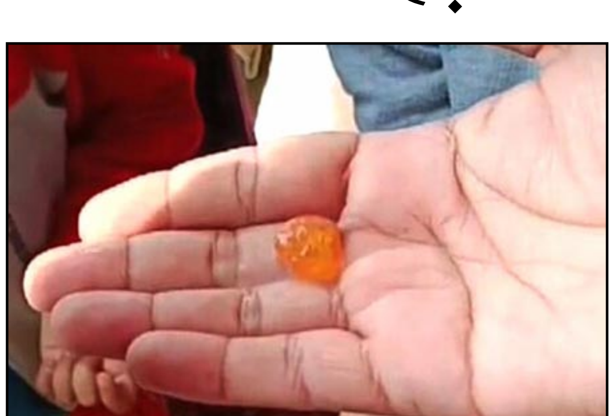

कुछ समय बाद, पत्थर के सभी टुकड़ों ने अपने आप आग पकड़ ली। इसे देखकर परिवार और पड़ोस के लोग दहशत में आ गए। परिवार ने बचा हुआ एक टुकड़ा पानी में रखा, जो अब तक सुरक्षित है। घटना से यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि यह पत्थर उल्कापिंड हो सकता है। उल्कापिंड वायुमंडल में प्रवेश के दौरान अत्यधिक गर्म हो जाते हैं और धरती पर गिरने के बाद भी गर्म या प्रतिक्रियाशील हो सकते हैं। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। लोगों ने घटना की जानकारी प्रशासन को दी है और उनसे मदद की अपील की है।

क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक का आईपीओ खुला निवेशक 9 जनवरी तक लगा सकेंगे बोली

नई दिल्ली

रेलवे सुरक्षा कवच बनाने वाली कंपनी क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार को निवेशकों के लिए खुल गया। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 275-290 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इस इश्यू के जरिए कंपनी की योजना 290 करोड़ जुटाने की है। कंपनी के शेयर 14 जनवरी को बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे।

क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड के मुताबिक इस इश्यू में निवेशक 9 जनवरी तक मिनिमम 50 इक्विटी शेयर या उसके मल्टीपल गुणक में बोलियां लगा सकते हैं। खुदरा निवेशक के लिए न्यूनतम निवेश राशि 14 हजार 500 रुपये है। ये आईपीओ पूरी तरह से 290 करोड़ रुपये का एक फ्रेश इश्यू है, जिसमें ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) जैसी कोई पेशकश नहीं है। कंपनी इश्यू से मिलने वाले फंड में से 149.72 करोड़ रुपये का इस्तेमाल लॉन्ग टर्म वर्किंग कैपिटल जरूरतों की फंडिंग के लिए करेगी। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के विकास लिए 24.37 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। कंपनी 23.61 करोड़ रुपये वर्किंग कैपिटल अवधि ऋण के सभी या आंशिक हिस्से का पूर्व भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य को पूरा करने के लिए करेगी।

क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड रिसर्च बेस्ड कंपनी है। यह भारतीय रेलवे के लिए न्यू जनरेशन के ट्रेन नियंत्रण और सिग्नलिंग सिस्टम तैयार करती है। ये सिस्टम रेल यात्रियों को हाईएस्ट लेवल की सुरक्षा और विश्वसनीयता प्रदान करता है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉन बीम विकिरण केंद्र के साथ एक विशेष केबल विनिर्माण सुविधा भी प्रोवाइड करता है। कंपनी के प्रमोटर मोहित वोहरा, अमित धवन, अमृत सिंह रंधावा, रूपिंदर सिंह, विशेष अबरोल और विवेक अबरोल, एक जोत सिंह और राजबीर सिंह रंधावा हैं।

न्यूज ब्रीफ

चिराग पासवान बुधवार को इंडसफूड 2025 के 8वें संस्करण का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान 8 जनवरी, 2025 को गौतमबुद्ध नगर जिला के ग्रेटर नोएडा में स्थित इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल) में इंडसफूड 2025 के 8वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इस बार इंडसफूड 2025 में 30 से अधिक देशों के 2300 प्रदर्शक भाग लेंगे। इस बार 120 हजार वर्ग मीटर से अधिक प्रदर्शनी स्थल होगा। इस बार एकीकृत व्यापार मेले में 7,500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार तथा 15 हजार भारतीय खरीदार यानी व्यापार आगंतुक भाग लेंगे, जिनके शो के दौरान उपस्थित रहने की उम्मीद है। इंडसफूड एशिया की प्रमुख वार्षिक एफ एंड बी व्यापार प्रदर्शनी है, जिसे भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के सहयोग से भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद की ओर से आयोजित किया जाता है। यह प्रदर्शनी 2025 में एक और मील का पत्थर स्थापित करने के लिए तैयार है। एक एकीकृत फार्म-टू-फोर्क व्यापार शो के रूप में अपनी शुरुआत करेगा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से खाताधारकों को मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, जिसमें उन्होंने खाताधारकों को बड़ी राहत देने का निर्णय लिया है। कोर्ट ने कहा है कि अगर किसी ग्राहक के खाते से अनधिकृत और धोखाधड़ी वाला ऑनलाइन लेनदेन होता है, तो उसे तीन दिनों के भीतर रिजर्व बैंक को शिकायत दर्ज करानी होगी। इस मामले में बैंक को ग्राहक को नुकसान की राशि की भरपाई करनी होगी। इस फैसले से ग्राहकों को सुरक्षा और विश्वास भी मिलेगा। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि बैंकों को धोखाधड़ी वाले लेन-देन का पता लगाने और रोकने के लिए तकनीकों का सही उपयोग करना चाहिए। यह फैसला न केवल ग्राहकों को सुरक्षित बनाएगा, बल्कि बैंकों को भी उनकी सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने के लिए मजबूर करेगा। ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे सतर्क रहें और किसी के साथ ओटीपी साझा न करें। इस फैसले के तहत भारतीय स्टेट बैंक को एक ग्राहक को 94,204 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया गया है। यह मामला 18 अक्टूबर 2021 को हुए एक अनधिकृत लेन-देन के मामले से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है और एसबीआई की याचिका को खारिज कर दिया गया है। यह फैसला ग्राहकों को समय पर शिकायत दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित करेगा और बैंकों को उनकी सुरक्षा प्रणालियों को मेहराबान करेगा।

वीहांत टेक्नोलॉजीज ने गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र से जुटाए 90 लाख डॉलर

नई दिल्ली। कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सुरक्षा तथा निगरानी समाधान प्रदाता वीहांत टेक्नोलॉजीज ने टू नॉर्थ के 'प्राइवेट क्रेडिट फंड' से गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र के जरिये वित्तपोषण के एक दौर में 90 लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 77 करोड़ रुपये जुटाये हैं। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि वीहांत ने अपनी वर्तमान पेशकशों को बढ़ाने तथा विमानन सुरक्षा, स्मार्ट शहरों और उद्यम विश्लेषण के लिए नवीन समाधान विकसित करने के लिए अनुसंधान व विकास गतिविधियों को बढ़ाने हेतु 75 प्रतिशत धनराशि खर्च करने की योजना बनाई है। वीहांत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि टू नॉर्थ से जुटाई गई यह धनराशि हमें विमानन सुरक्षा, स्मार्ट और सुरक्षित शहरों और उद्यम विश्लेषण समाधानों के क्षेत्रों में और अधिक अत्याधुनिक उत्पादों को विकसित करने और उन्हें पेश करने में मदद करेगी। यह हमें पश्चिम एशिया तथा यूरोप में भौगोलिक विस्तार में भी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) के जरिये जुटाई गई राशि 2026 तक 12 से 18 महीनों के भीतर आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने और कंपनी को सूचीबद्ध कराने की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण होगी।

शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद मजबूती के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

बाजार की मजबूती से निवेशकों को 2.80 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली

सोमवार को जोरदार गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को वापसी करने में सफल रहा। के कारोबार की शुरुआत भी मामूली बढ़त के साथ हुई थी। शुरुआती 1 घंटे के कारोबार में लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान होने की बाजार वजह से बाजार में तेज उतार-चढ़ाव भी होता रहा। हालांकि, पहले घंटे के बाद ज्यादातर समय खरीदार ही बाजार पर हावी बने रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.30 प्रतिशत और निफ्टी 0.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, ऑयल एंड गैस और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह रियल्टी, फार्मास्यूटिकल, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और पीएसई इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, टेक और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.77 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.74 प्रतिशत उछल कर के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 441.59 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 438.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 2.80 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,090 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,626 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,357 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 107 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,511 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,895 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 616 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 54.81 अंक की मजबूती के साथ 78,019.80 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक 487.75 अंक उछल कर 78,452.74 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से अगले 1 घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 500 अंक से ज्यादा टूट कर 39.90 अंक की कमजोरी के साथ 77,925.09 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि, पहले घंटे के कारोबार के बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से थोड़ी ही देर में ये सूचकांक रिकवरी करके हरे निशान में पहुंच कर कारोबार करने लगा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 234.12 अंक की बढ़त के साथ 78,199.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 63.85 अंक उछल कर 23,679.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 179.15 अंक की तेजी के साथ 23,795.20 अंक तक पहुंच गया। पहले आधे घंटे के कारोबार में आई तेजी के तुरंत बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से थोड़ी ही देर में ये सूचकांक लुढ़क कर 23,637.80 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि, इसके कुछ देर बाद खरीदारों ने दोबारा मोर्चा संभाल लिया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में थोड़ी तेजी आ गई। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 91.85 अंक की मजबूती के साथ 23,707.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार में हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ओएनजीसी 3.59 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 3 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 2.29 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 2.19 प्रतिशत और रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एचसीएल टेक्नोलॉजी 1.90 प्रतिशत, ट्रेंट लिमिटेड 1.77 प्रतिशत, टीसीएस 1.63 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 1.39 प्रतिशत और हीरो मोटोकॉर्प 0.97 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वहां के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबर हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.55 प्रतिशत उछल कर 5,975.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 246.13 अंक यानी 1.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,867.81 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.16 प्रतिशत टूट कर 42,637.91 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,249.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 163.57 अंक यानी 2.20 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ 7,445.69 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 310.11 अंक यानी 1.53 प्रतिशत कि छलांग लगा कर 20,216.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल ये सूचकांक 372.76 अंक यानी 1.89 प्रतिशत टूट कर 19,315.53 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.07 प्रतिशत फिसल कर 7,075.77 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.32 प्रतिशत लुढ़क कर 3,196.78 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कॉफी निर्यात

आठ माह में कॉफी निर्यात रिकॉर्ड 1 बिलियन डॉलर के पार पहुंचा

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी का रुख, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली मजबूती नजर आ रही है। सोने के भाव में आई तेजी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये से लेकर 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये से लेकर 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लिस्टिंग के जरिए 2 कंपनियों ने स्टॉक मार्केट में की एंट्री, फीकी शुरुआत के बाद आई तेजी

नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में दो कंपनियां ने अपने शेयरों की लिस्टिंग के जरिए दस्तक दी। इनमें एक कंपनी मेनबोर्ड सेगमेंट की है, जबकि दूसरी ओर कंपनी एसएमई सेगमेंट की है। दोनों शेयर मामूली प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए लेकिन बाद में खरीदारी के सपोर्ट से दोनों में तेजी आ गई।

ट्रैक्टर और क्रेन बनाने वाली कंपनी इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड के शेयर बीएसई में 20 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 258.40 रुपये के स्तर पर और एनएसई में 19 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 256 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी ने 215 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये शेयर उछल कर 287 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में मामूली गिरावट भी आई। सुबह 11 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 282.52 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह आईपीओ निवेशकों को अभी तक के कारोबार में ही 31.08 प्रतिशत का फायदा हो चुका है।

इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड का 260.15 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू 31 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये इश्यू कुल 227.67 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 242.40 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 501.75 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 101.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। ही कई तरह के केमिकल पिगमेंट और डाई इंटरमीडिएट्स का उत्पादन करने वाली कंपनी टेक्निकेम ऑर्गेनिक्स लिमिटेड के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 4 प्रतिशत के मामूली प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 55 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे, लेकिन इसकी लिस्टिंग 57.25 रुपये के स्तर पर हुई। निराशाजनक लिस्टिंग के बावजूद खरीदारों ने इस शेयर को हाथों हाथ लिया, जिसकी वजह से थोड़ी ही देर में इस शेयर की चाल में तेजी आ गई। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 60.04 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को अभी तक के कारोबार से 9.10 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। टेक्निकेम ऑर्गेनिक्स का 25.25 करोड़ रुपये का आईपीओ 31 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये कुल 425.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 101.49 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1,078.90 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

भारतीय प्रौद्योगिकी की गाथा बेहद रोमांचक, सीईएस में जारी रहेगी : शीर्ष अधिकारी

लास वेगास। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (सीईएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारतीय प्रौद्योगिकी गाथा बेहद रोमांचक है और उम्मीद की जा रही है कि यह सीईएस में जारी रहेगी। सीईएस, दुनिया का सबसे बड़ा प्रौद्योगिकी कार्यक्रम, 10 जनवरी तक चलेगा। यहां वैश्विक कंपनियां नवोन्मेषी स्टार्टअप, उद्योग जगत के लोग, मीडिया तथा सरकारी अधिकारी भाग लेंगे। 1,400 स्टार्टअप सहित 4,500 से अधिक प्रदर्शक इसमें शामिल होंगे। केली ने कहा कि भारत तेजी से एक वैश्विक खिलाड़ी बन रहा है और इसका महत्व वैश्विक प्रौद्योगिकी परिवेश में बढ़ रहा है। उन्होंने इस संस्थान से भारतीय कंपनियों के साथ विकास के लिए साझेदारी की बात कही। सीईएस में पहली बार भारतीय मंडप समेत कई छोटे उद्यम शामिल होंगे, जिसे उन्होंने रोमांचक बताया। बड़ी तथा छोटी कंपनियां अपनी प्रौद्योगिकी, उत्पाद और समाधान को प्रदर्शित करेंगी।

ऑस्ट्रेलिया की डेविस कप टीम में शामिल हुए फिटनेस से जूझ रहे किर्गियोस

नई दिल्ली

पूर्व विंबलडन फाइनलिस्ट निक किर्गियोस को इस महीने के अंत में स्वीडन के खिलाफ होने वाले डेविस कप मुकाबले के लिए अप्रत्याशित रूप से ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है।

29 वर्षीय खिलाड़ी को कप्तान लेटन हेविट ने दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर, जॉर्डन थॉम्पसन और थानासी कोकिनाकिस के साथ 31 जनवरी और 1 फरवरी को स्टॉकहोम में होने वाले मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप में चुना है।

किर्गियोस को घुटने, पैर और कलाई की चोटों के कारण 2022 से फिटनेस के लिए संघर्ष करने के बावजूद चुना गया है, जबकि रविवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन में उनकी भागीदारी अनिश्चित बनी हुई है।

पिछले सप्ताह ब्रिसबेन इंटरनेशनल से बाहर होने के बाद उन्होंने ग्रैंड स्लैम टेनिस के तनाव को संभालने की अपनी क्षमता पर संदेह जताया, जिसमें जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा। पिछले मंगलवार को मिली हार के बाद उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मुझे लगभग चमत्कार की जरूरत है और मुझे अपनी कलाई को ग्रैंड स्लैम में टिकाए रखने के लिए सितारों की तरह संरेखित होने की जरूरत है।

डेविस कप टीम में किर्गियोस के शामिल होने से वह कोकिनाकिस के साथ अपनी युगल साझेदारी को फिर से जीवंत कर सकते हैं, जिसके साथ उन्होंने तीन साल पहले ऑस्ट्रेलियन ओपन में पुरुष युगल खिताब जीता था।

उन्होंने आखिरी बार नवंबर 2019 में डेविस कप खेला था और 2022 में विंबलडन के फाइनल में पहुंचे थे, जहां वह नोवाक जोकोविच से चार सेटों में हार गए थे।

एएफसी एशियन कप 2027 का आयोजन 7 जनवरी से, पांच स्टेडियम में खेले जाएंगे मैच

नई दिल्ली। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) एशिया कप 2027 की शुरुआत 7 जनवरी से होगी और समापन 5 फरवरी को होगा। एएफसी ने मंगलवार को उक्त जानकारी दी। इसके अलावा, महाद्वीपीय टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए पांच स्टेडियमों की पुष्टि की गई है, जिसमें किंग फहद स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम, किंग सऊद यूनिवर्सिटी स्टेडियम, इमाम मोहम्मद इब्न सऊद यूनिवर्सिटी स्टेडियम, किंगडम एरिना और अल शबाब स्टेडियम शामिल हैं। भारत द्वारा अपनी बोली वापस लेने के बाद, 2023 में एशियाई कप के 2027 संस्करण के लिए सऊदी अरब को मेजबान घोषित किया गया। पिछले संस्करण की मेजबानी कतर ने की थी। सऊदी अरब फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष यासर अल मिसेहल ने कहा, एएफसी एशियाई कप सऊदी अरब 2027 के लिए तारीखों की पुष्टि और स्टेडियमों का चयन करना टूर्नामेंट की मेजबानी की हमारी यात्रा में एक रणनीतिक मील का पत्थर है। इस साल मार्च में शुरू होने वाले क्वालीफायर के तीसरे दौर के साथ अठारह देशों ने पहले ही अपनी जगहें बुक कर ली हैं। भारत को सिंगापुर, हांगकांग और बांग्लादेश के साथ ग्रुप सी में रखा गया है।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी की वजह से पैरा एथलीटों का सम्मान बढ़ा है : सुभाष राणा

नई दिल्ली। 38वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन इस बार उत्तराखंड कर रहा है। उत्तराखंड में इन खेलों के आयोजन से स्थानीय खिलाड़ियों और कोचों में काफी उत्साह है। इन खेलों के आयोजन से स्थानीय खिलाड़ियों को मिलने वाले लाभ और सुविधाओं को लेकर द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चयनित पैरा शूटिंग कोच सुभाष राणा ने से बातचीत में खुलकर अपने विचार रखे। को दिये साक्षात्कार में उन्होंने कहा, उत्तराखंड को राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी मिलना बहुत बढिया हैं, पहले हम सोचते थे कि यहां आधारभूत सुविधाओं के उपलब्ध होने में हमें 15 से 20 साल लगेंगे, लेकिन अब इस आयोजन के दौरान खेलों के लिए इतना बड़ा आधारभूत ढांचा उत्तराखंड में तैयार हो जाएगा,इसकी उम्मीद नहीं थी, इन खेलों के आयोजन से स्थिति बदलेगी और अन्य प्रदेशों के खिलाड़ी भी यहां आने लगेंगे, सबसे बड़ी बात यह है कि खिलाड़ियों का पलायन रूक जाएगा। हम पहले खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए लेकर बाहर जाते थे, लेकिन अब आधारभूत ढांचा तैयार हो जाएगा और हमें खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए बाहर ले जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में पैरा एथलीटों के हालात में हुए सुधार पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री जी का खिलाड़ियों को लेकर काफी उत्साह रहता है। 2014 से पहले पैरा एथलीटों की उतनी पूछ नहीं थी, लेकिन उसके बाद पैरा एथलीटों को लेकर लोगों में उत्साह भी बढ़ा है। पहले और अब में काफी अंतर है, पहले इतनी सुविधाएं भी नहीं थी। 2014 के बाद से सुविधाएं भी बढ़ी हैं और प्रधानमंत्री जी की वजह से सम्मान भी बढ़ा है, उन्होंने पैरा खेलों को लेकर जो रूचि दिखाई है, उसका काफी फायदा हुआ है। सामान्य एथलीट और पैरा एथलीटों को उन्होंने बराबरी पर ला दिया, जिससे पैरा एथलीटों के लिए नौकरी के भी मौके खुलने लगे, और जिस तरह से वे बड़े टूर्नामेंटों में जाने से पहले मिलते हैं और पदक जीतने के बाद ही फोन पर बात भी करते हैं, उससे प्रेरणा और आगे बढ़ने की ऊर्जा भी मिलती है। उत्तराखंड के युवा निशानेबाजों के भविष्य को लेकर उन्होंने कहा, देखिये हम जिस चीज में पिछड़ रहे थे, जैसे टॉप क्लास मशीन नहीं थी, आधारभूत सुविधाएं नहीं थीं, हमें ट्रेनिंग के लिए कभी भोपाल, कभी दिल्ली जाना पड़ता था, लेकिन अब जिस तरह से सरकार काम कर रही है और उम्मीद है कि आगे भी करती रहेगी, तो अब हम भविष्य में उत्तराखंड से कई बड़े खिलाड़ी और ओलंपियन तैयार कर सकते हैं और हमारी योजनाएं भी यहीं हैं। मेहनत करने में कोई कमी नहीं है, बच्चे लगे रहते हैं, लेकिन थोड़ा-थोड़ा सभी का साथ मिले तो काम हो जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारतीय निशानेबाज पेरिस पैरालंपिक की सफलता 2028 में दोहरा पाएंगे, उन्होंने कहा कि हम 2028 पैरालंपिक में पेरिस के रिकॉर्ड को भी तोड़ेंगे और पदकों की संख्या भी बढ़ेगी। द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चयनित कोच सुभाष राणा के खाते में चार अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण और दो रजत पदक शामिल हैं। उन्होंने साल 1994 में इटली और साल 1998 में स्पेन में हुई विश्व शूटिंग चैंपियनशिप में भाग लिया था। एक कोच के तौर पर उनकी उपलब्धियों की चर्चा करें, तो टोक्यो पैरालंपिक 2020 में शामिल हुई शूटिंग टीम को उन्होंने प्रशिक्षित किया था। इस टीम ने पैरालंपिक में पांच मेडल जीते थे।

इंडोनेशिया फुटबॉल संघ ने शिन ताए-योंग को राष्ट्रीय टीम के कोच पद से हटाया

जकार्ता। इंडोनेशियाई फुटबॉल एसोसिएशन (पीएसएसआई) ने सोमवार को राष्ट्रीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच के रूप में शिन ताए-योंग का अनुबंध आधिकारिक रूप से समाप्त कर दिया। पीएसएसआई के अध्यक्ष एरिक थोहिर ने कहा कि एसोसिएशन को एक ऐसे कोच की जरूरत है जो सभी खिलाड़ियों द्वारा सहमत एक एकीकृत रणनीति को लागू कर सके और अधिक प्रभावी संचार को बढ़ावा दे सके। उन्होंने कहा, हम जो कर रहे हैं वह राष्ट्रीय टीम की भलाई के लिए है। थोहिर ने बताया कि शिन को बर्खास्त करने का फैसला कई कारकों को ध्यान में रखते हुए लंबे समय तक मूल्यांकन के बाद लिया गया। दिसंबर 2019 में पीएसएसआई के साथ अपना कार्यकाल शुरू करने वाले शिन ने इंडोनेशिया की विश्व रैंकिंग को 173वें से 127वें स्थान पर पहुँचाने में मदद की। 2026 फीफा विश्व कप एशियाई क्वालीफायर में, इंडोनेशिया वर्तमान में छह टीमों के समूह में छह मैचों में छह अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

टीबीसीपीएल 10 ने अपने पहले उद्घाटन टी10 टेनिस बॉल लीग की घोषणा की, 8 टीमें लेंगी हिस्सा

दुबई

टेनिस बॉल क्रिकेट प्रीमियर लीग (टीबीसीपीएल10) ने आज अपने पहले टी-10 टूर्नामेंट की घोषणा की, जिसमें आठ फ्रैंचाइज़ी टीमें भाग लेंगी। यह टूर्नामेंट 26 मई से 5 जून, 2025 तक चलेगा। यह टूर्नामेंट, जो विशेष रूप से सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर प्रसारित किया जाएगा, दुनिया भर के लाखों दर्शकों के लिए टेनिस बॉल क्रिकेट का रोमांच लाने का वादा करता है। रोमांचक टूर्नामेंट के आयोजन स्थल की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

इस पेशेवर टेनिस बॉल क्रिकेट लीग में मुंबई मावेरिक्स, दिल्ली डायनामोज, बैंगलोर ब्लास्टर्स, कोलकाता किंग्स, चंडीगढ़ चैंपियंस, हैदराबाद हंटर्स, अहमदाबाद एवेंजर्स और चेन्नई चैलेंजर्स की टीमें हिस्सा लेंगी।

टूर्नामेंट की संरचना में 31 लीग मैच और उसके बाद चार प्लेऑफ गेम शामिल हैं, जो पेशेवर टेनिस बॉल क्रिकेट के रोमांच को वैश्विक स्तर पर ले जाएंगे। एक व्यापक प्रतिभा खोज पहल में, टीबीसीपीएल 10 भारत के 50 शहरों में ट्रायल आयोजित करेगा, जिसमें उत्तर, पूर्व और मध्य क्षेत्रों के प्रमुख केंद्र शामिल हैं, जिससे देश के हर कोने से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा।

लीग 5-6 मई, 2025 को अपने उद्घाटन खिलाड़ी की नीलामी आयोजित करेगी, जहाँ आठ फ्रैंचाइज़ देश भर में ट्रायल के माध्यम से चुने गए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के पूल से अपनी टीम बनाएंगे। क्रिकेट के दिग्गज युवराज सिंह को टूर्नामेंट का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। अपनी भूमिका को लेकर युवराज सिंह ने कहा, मैं क्रिकेट के इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। टीबीसीपीएल10 एक ऐसा पहला टूर्नामेंट है जो इतने सारे भारतीय शहरों से एक साथ पेशेवर टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतिभाओं को एक साथ लाता है। अब, हम इस प्रारूप को कई शहरों में पेशेवर स्तर पर ले जा रहे हैं। यह कई महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों के लिए एक सपना सच होने जैसा है, जिनके पास अब अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच होगा।

टीबीसी प्राइवेट लिमिटेड के लीग के हिस्सेदार मोहित जून ने टूर्नामेंट के अभूतपूर्व पैमाने पर जोर दिया, उन्होंने कहा, टीबीसीपीएल 10 आठ प्रमुख भारतीय स्थानों पर एक साथ प्रतिभाओं को बढ़ावा देने वाली पहली पेशेवर टेनिस बॉल क्रिकेट लीग के रूप में इतिहास बना रही है। 50 शहरों में ट्रायल की योजना के साथ, हम टेनिस बॉल क्रिकेट के इतिहास में सबसे व्यापक प्रतिभा खोज नेटवर्क बना रहे हैं। युवराज सिंह के साथ जुड़ना हमारे विजन को बहुत महत्व देता है, और सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ हमारी साझेदारी इस रोमांचक प्रारूप के लिए सबसे व्यापक पहुंच सुनिश्चित करती है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद ब्रेक लेंगे राहुल, विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट में नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली

बल्लेबाज के.एल. राहुल वडोदरा में होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट दौर में कर्नाटक की टीम का हिस्सा नहीं होंगे। ऐसा माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने वाले राहुल ब्रेक लेंगे। 23 जनवरी से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण के लिए राहुल की उपलब्धता पर फैसला बाद में लिया जाएगा।

बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा, जो दोनों ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट टीम में थे, वडोदरा में कर्नाटक के लिए खेलेंगे। पडिक्कल ने पर्थ में पहला टेस्ट खेला था, जबकि प्रसिद्ध को पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए बुलाया गया। तेज गेंदबाज वी. वैशाख चोट के कारण नॉकआउट दौर से बाहर हो गए हैं। विजय हजारे ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में कर्नाटक का सामना शनिवार को वडोदरा से होगा। कर्नाटक की टीम इस प्रकार है: मयंक अग्रवाल (कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, निकिन जोस, के.वी. अनीश, आर. स्मरण, के.एल. श्रीजीत, अभिनव मनोहर, श्रेयस गोपाल (उप कप्तान), हार्दिक राज, प्रसिद्ध कृष्णा, वी. कौशिक, विद्याधर पाटिल, अभिलाष शेट्टी, प्रवीण दुबे, लवनिथ सिसौदिया, यशोवर्धन परंतप।

मलेशिया ओपन 2025: अंतिम 16 में पहुंची ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी

नई दिल्ली। भारतीय महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने मंगलवार को मलेशिया ओपन के शुरुआती दौर में थाईलैंड की ओर्निचा जोंगसाथपोर्नपर्न और सुकिता सुवाचाई को हराया। ट्रीसा-जॉली की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 21-10, 21-10 से जीत हासिल कर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया। अंतिम 16 में उनका सामना या तो चीन के यी फैन जिया-शू जियान झांग या मलेशिया के पेई की गो-मेई जिंग तेओह से होगा। मैच की बात करें तो पहला गेम भारतीयों ने जल्दी ही जीत लिया, हालांकि मैच के दूसरे गेम के ब्रेक के समय भारतीय जोड़ी मुश्किल में थी, लेकिन ट्रीसा-जॉली ने बेहतरीन वापसी कर सुपर 1000 इवेंट के अगले दौर में प्रवेश किया।

जंपिंग स्पर्धा

रियाद में इटालियन कप फुटबॉल में एसी मिलान के डेविड कैलाब्रिया अपनी टीम के साथ ट्रॉफी उठाये जश्न मनाते हुए।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष चुने गए एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता बहादुर सिंह सागू

नई दिल्ली

एशियाई खेलों के स्वर्ण विजेता पूर्व गोला फेंक खिलाड़ी बहादुर सिंह सागू को मंगलवार को भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। वह लंबे समय से इस शीर्ष पद पर कार्यरत आदिले सुमारिवाला का स्थान लेंगे।

51 वर्षीय सागू, जो चार साल का कार्यकाल पूरा करेंगे, ने 2002 बुसान एशियाई खेलों में शॉट पुट में स्वर्ण पदक जीता था और 2000 और 2004 ओलंपिक में भी भाग लिया था। वह एएफआई एथलीट आयोग के सदस्य हैं।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जॉर्ज के पद की दौड़ से बाहर होने के बाद सागू अकेले उम्मीदवार रह गए थे। एएफआई की दो दिवसीय वार्षिक आम बैठक में उनके चुनाव को औपचारिक रूप दिया गया।

सागू ने 19.03 मीटर के थ्रो के साथ पुरुषों की शॉट पुट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। उनका जीवनकाल का सर्वश्रेष्ठ 20.40 मीटर है और वह पद्म श्री पुरस्कार प्राप्तकर्ता भी हैं।

शेष पदों के लिए कोई चुनाव नहीं हुआ, जो 2020 में पिछली एजीएम के दौरान हुआ था।

दिल्ली इकाई के शीर्ष अधिकारी संदीप मेहता को निर्विरोध एएफआई सचिव चुना गया। वे निवर्तमान कार्यकारी परिषद में वरिष्ठ संयुक्त सचिव थे। स्टेनली जोन्स को कोषाध्यक्ष बनाया गया।

67 वर्षीय सुमारिवाला 2012 से एएफआई अध्यक्ष हैं और मौजूदा राष्ट्रीय खेल संहिता के तहत इस बार चुनाव लड़ने के पात्र नहीं थे। उनके कार्यकाल के दौरान, नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण और पेरिस खेलों में रजत पदक जीता।

सुमारिवाला वर्तमान में विश्व एथलेटिक्स कार्यकारी बोर्ड के सदस्य हैं।

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण जहांआरा ने क्रिकेट से लिया ब्रेक

नई दिल्ली

बांग्लादेश की अग्रणी महिला तेज गेंदबाज जहांआरा आलम ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण अनिश्चित काल के लिए क्रिकेट से ब्रेक ले लिया है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) महिला विंग के प्रभारी हबीबुल बशर ने कहा, उसने हमें एक पत्र दिया था जिसमें कहा गया था कि वह खेलने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं है और उसने दो महीने के लिए क्रिकेट से ब्रेक लिया है। उसने यहां तक कहा कि यदि आवश्यक हो, तो उसे अनुबंध में नहीं रखा जाना चाहिए।

हमें इसका सम्मान करने की आवश्यकता है क्योंकि अगर किसी को लगता है कि वह मानसिक रूप से तैयार नहीं है और कुछ दिनों के लिए ब्रेक लेना चाहती है, तो हमें इसे स्वीकार करना होगा। कोई विशिष्ट समय सीमा नहीं है जिसके लिए वह बाहर रहेगी। जब भी वह ठीक महसूस करेगी, वह हमें बताएगी।

जहांआरा ने अपने करियर में अब तक 52 वनडे और 83 टी20 मैच खेले हैं। जुलाई 2024 में एक साल की अनुपस्थिति के बाद वह टीम में लौटीं और उन्हें टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया गया, लेकिन वह किसी भी मैच में शामिल नहीं हुईं। वह आयरलैंड के खिलाफ बांग्लादेश की आखिरी घरेलू श्रृंखला का हिस्सा थीं, जहाँ उन्होंने केवल टी20 मैच खेले थे और वनडे के दौरान उन्हें बेंच पर बैठाया गया था।

इस बीच, बीसीबी ने आगामी वेस्टइंडीज दौरे के लिए महिला टीम की घोषणा की। यह बांग्लादेश की महिला टीम का वेस्टइंडीज का पहला दौरा होगा, जहाँ वे तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेंगी, जो सभी सेंट किट्स के बैसेटेरे के वार्नर पार्क में खेले जाएँगे।

निगार सुल्ताना की अगुवाई वाली टीम 14 जनवरी को सेंट किट्स पहुँचेगी।

वनडे मैच क्रमश: 19, 21 और 24 जनवरी को होने हैं।

यह सीरीज खास महत्व रखती है क्योंकि दोनों टीमें इस साल के अंत में भारत में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफिकेशन के लिए महत्वपूर्ण आईसीसी महिला चैम्पियनशिप अंक हासिल करना चाहती हैं। बांग्लादेश को अपनी जगह पक्की करने के लिए यह सीरीज जीतनी होगी।

वनडे सीरीज के बाद, टीमें क्रमश: 27, 29 और 31 जनवरी को तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेंगी।

लता मोंडल, फरिहा इस्लाम की वनडे टीम में वापसी हुई है, जबकि जहांआरा आलम और रितु मोनी अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाईं। मारुफा अख्तर, सुल्ताना खातून, लता मोंडल, फरजाना होक की टी20 टीम में वापसी हुई है, जबकि रितु मोनी, जहांआरा आलम, जन्नतुल फिरदौस को बाहर रखा गया है। उप-कप्तान नाहिदा अख्तर ने कहा कि वे हाल ही में वेस्टइंडीज के सफल दौरे के बाद पुरुष टीम से प्रेरणा लेंगी।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए बांग्लादेश की टीम: निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर (उप कप्तान), मुर्शिदा खातून, दिलारा अख्तर, शर्मिन अख्तर सुप्ता, शोभना मोस्तरी, शोर्ना अख्तर, लता मोंडोल, राबेया, फाहिमा खातून, फरिहा इस्लाम त्रिस्ना, सुल्ताना खातून, फरजाना हक, ताज नेहर, शांजिदा अख्तर मघला, मारुफा अख्तर।

बच्चों में छुपी इंटेलिजेंस को समझकर सही दिशा दें

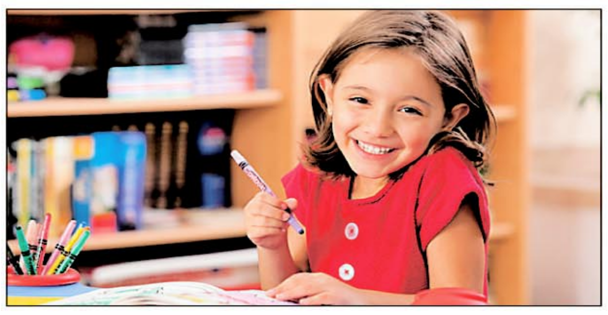

हर बच्चे के अंदर कोई-न-कोई प्रतिभा और इंटेलिजेंस छुपी होती है। लेकिन कई बार अभिभावक उसे खेल-कूद समझकर अनदेखा कर देते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप अपने बच्चे के अंदर छुपी इंटेलिजेंस को समझें और उसे सही दिशा देने की कोशिश करें ।

लॉजिकल- मैथमैटिकल इंटेलिजेंस

बच्चों के अंदर छुपी लॉजिकल- मैथमैटिकल इंटेलिजेंस यह दर्शाती है कि उसकी सोचने की क्षमता लॉजिकल मैनर में अधिक है। अगर आपके बच्चे में इस तरह की योग्यता है तो आप उसकी इंटेलिजेंस को बढ़ाने के लिए उसे घर पर रीजिनिंग, मैथ्स आदि के छोटे-छोटे सवाल दें। इसके बाद उसे छोटे-छोटे बजट प्लानिंग के सवाल दें और इसी तरह क रियर में सहयोग करें।

लक्षण- इस तरह के बच्चे पज़ल्स, टीजर्स, और लॉजिक वाले गेम खेलना ज्यादा पसंद करते हैं। जब तक कि किसी पज़ल या प्रश्न का जवाब न ढूंढ लें तब तक हार नहीं मानते हैं। ऐसे बच्चे यह भी कोशिश करते हैं कि उस टास्क को विभिन्न तरीके से कैसे किया जा सकता है। इसके अलावा गाड़ी नम्बर और मोबाइल नंबर भी ऐसे बच्चों को सबसे जल्दी याद हो जाता है।

वर्बल- लिंग्विस्टिक्स इंटेलिजेंस

वर्बल लिंग्विस्टिक्स इंटेलिजेंस वाले बच्चे में विभिन्न तरह की भाषाएं सीखने की क्षमता ज्यादा होती है। इस तरह के बच्चे हमेशा दूसरों की भाषा या डिफिकल्ट वर्ड बहुत जल्दी सीख जाते हैं और बोलने का प्रयास करते हैं। ऐसे बच्चे लैंग्वेज कमांड में भी अपना करियर बना सकते हैं। इसमें बच्चों की प्रतिभा बढ़ाने के लिए उन्हें छोटे-छोटे टॉपिक्स दें और उस पर एक कहानी लिखने को कहें। साथ ही उनकी पसंदीदा किताब उन्हें पढने के लिए दें। अक्सर अभिभावकों को लगता है कि बच्चों को अपने सिलेबस की ही किताबें पढनी चाहिए। अन्य किताबों पर समय बरबाद होता है, पर यह धारणा गलत है। बस बच्चे को उसकी उम्र के अनुरूप किताबें देनी चहिए।

लक्षण- वर्बल लिंग्विस्टिक्स इंटेलिजेंस वाले बच्चे अपनी शुरूआती उम्र में कविता सबसे जल्दी सीखते हैं और उसका उच्चारण भी बिल्कुल सही करते हैं। इसके अलावा ऐसे बच्चों को लिखने और किताबें पढने में इंटरेस्ट ज्यादा होता है। इस तरह के बच्चे अपने आप कई छोटी-छोटी स्टोरी क्रियेट कर लेते हैं, साथ ही ये बोलचाल की भाषा और उच्चारण में हुई गलतियों को भी जल्दी पकड़ते हैं।

म्यूजिकल इंटेलिजेंस

कई बच्चों की म्यूजिकल यानी संगीत की रुचि बहुत अधिक होती है। म्यूजिकल इंटेलिजेंस वाले बच्चों की आवाज और बोल- चाल में रिदम देखने और सुनने को मिलेगी। म्यूजिक के शौकीन बच्चों को एक्टिविटीज के तौर पर म्यूजिकल क्लास में एडमिशन करा देना चाहिए। हो सकता है इसमें ही बच्चे का सुनहरा भविष्य छिपा हो। बच्चा कई रियेलिटी शो में भी हिस्सा ले सकता है और साथ ही एक अच्छा सिंगर और म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट एक्सपर्ट भी बन सकता है।

लक्षण- इस तरह की योग्यता वाले बच्चे अपनी शुरूआती उम्र में गाना सुनते ही उसे बड़ी जल्दी कैप्चर कर लेते हैं, साथ ही गाने और कविता को सही टोन के साथ गाने की कोशिश करते हैं। कई बार बातें भी गाने की टोन में बोलते हैं। जिसे हम मजाक या शरारत समझकर इग्नोर कर देते हैं। म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट की तरफ भी बच्चों का ध्यान भागता तरह के खिलौने पसंद करते हैं।

विजुअल स्पेशियल इंटेलिजेंस

बच्चों में विजुअल इंटेलिजेंस उनकी क्रिएटिविटी को दर्शाती है। कई बच्चे आर्ट में मास्टर होते हैं इसलिए वे अन्य विषयों की अपेक्षा ड्राइंग में ज्यादा रुचि दिखाते हैं। लेकिन अभिभावकों को लगता है कि इसमें उनका कोई भविष्य नहीं है इसलिए वे अन्य विषयों इंग्लिश और मैथ्स पर ज्यादा जोर देते हैं। यदि आपके बच्चे की आर्ट और विजुअल स्पेशियल में रुचि है तो वो एक एनालिटिक्स स्पेशलिस्ट, आर्टिस्ट, डिजाइनर, इंटीरियर डेकोरेटर के तौर पर भी अपना भविष्य बना सकता है।

लक्षण- इस तरह की इंटेलिजेंस वाले बच्चे ज्योमैट्री और फिजिक्स जैसे डिफिकल्ट विषय के डायग्राम, चार्ट, ग्राफ्स व मैप आदि को बेहतरीन ढंग से डिजाइन कर लेते हैं। इसके अलावा कोई भी डायरेक्शन इन्हें जल्दी याद हो जाती है। यह किसी का चेहरा और अपनी इमेजिनेशन यानी कल्पना को भी कागज पर उतार सकते हैं।

योग से तन और मन का सौंदर्य निखारें

योग जीवन जीने की कला है। योगासन जहां हमारे शारीरिक क्षमता को बढ़ाते हैं, वहीं प्राणायाम मानसिक शक्ति का विकास करते है। योगाभ्यास शरीर को स्वस्थ व सुडौल बनाने के साथ हमारे विचारों को भी निर्मल बनाने में सहायक होता है।

आज महिलाएं घर और परिवार की ज़िम्मेदारी बखूबी निभा रही हैं। बेटी, बहू, मां और पत्नी की भूमिका निभाते हुए वह अक्सर अपने ऊपर ध्यान नहीं दे पाती। रोजाना सुबह से रात तक के इस भाग दौड़ भरे जीवन में उनके लिए एक नियमित दिनचर्या का पालन संभव नहीं हो पाता है। परंतु यदि वह प्रतिदिन सिर्फ एक घंटे का योगाभ्यास करती है जिसमें प्राणायाम एवं ध्यान भी शामिल है, शरीर को स्वस्थ व सुडौल बनाने के साथ हमारे विचारों को भी निर्मल बनाने में सहायक होता है। योग जीवन जीने की कला है। योगासन जहां हमारे शारीरिक क्षमता को बढ़ाते हैं, वहीं प्राणायाम मानसिक शक्ति का विकास करते है।

महिलाओं के जीवन में योग क्यों है आवश्यक

महिलाएं योग को अपनी जीवन शैली का अभिन्न अंग बनाकर न केवल शारीरिक रूप से स्वास्थ रह सकती हैं, बल्कि जीवन में विभिन्न प्रकार के मानसिक विकारों को दूर कर एक संतुलित जीवन जी सकती हैं।

- नियमित योगाभ्यास शरीर में न केवल चुस्ती-फुर्ती लाता है, बल्कि अतिरिक्त चर्बी को घटाकर शरीर को सुडौल, लचीला एवं रोगमुक्त बनाता है ।
- महिलाओं का जीवन चक्र हार्मोन्स के साथ जुड़ा है। इस्ट्रोजन व प्रोजेस्ट्रोन हार्मोन्स का संतुलन बेहद जरूरी है। आयु की हर अवस्था में यह अपना प्रभाव बनाए रखते हैं। आसनों के माध्यम से की गई आकुंचन-संकुचन की क्रिया हार्मोन्स का संतुलन बनाए रखने के लिए सबसे अधिक सहयोगी होती है।
- शरीर में रक्त का सुचारु रूप से संचार, प्रतिरोधक शक्ति में सुधार एवं ग्रंथियों से होने वाले स्राव का नियंत्रण भी योग द्वारा ही संभव है।
- योग द्वारा महिलाओं का सामान्य स्वास्थ्य तो अच्छा बनता ही है, उसके प्रजनन अंग भी स्वस्थ एवं सुद्रढ़ बनते हैं।
- नियमित योगाभ्यास से चेहरे पर दमक, आंखों में चमक, त्वचा में कोमलता एवं कांति आती है। मन प्रसन्न रहता है।
- योग से चित एकाग्र होता है, मन की चंचलता समाप्त करने के लिए प्राणायाम सटीक योग है।
- अक्सर परिवार में छोटी-छोटी बातों को लेकर तनाव और मानसिक परेशानी हो जाती है, अगर हम नियमित योगाभ्यास करते हैं तो इन छोटी-छोटी परेशानियों से घबराएंगे नहीं बल्कि संतुलित दिमाग से इन सबका सामना करेंगे।
- नियमित योग महिलाओं में आजकल प्रदूषण के कारण बढ़ रही एजिंग की प्रक्रिया को रोकता है।

नियमित योग हमारे विचारों को सकारात्मक बनाता है साथ ही व्यक्तिव को भी निखारता है।

- यदि महिलाएं नियमित योग करती हैं तो वह अपने बच्चों को भी योगाभ्यास के लिए प्रेरित कर पाएंगी और अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे पाएंगी।

हर मौसम में हिट है यह फैशन

सर्दियों में सबसे ज्यादा टेंशन फैशन ट्रेंड को लेकर होती है. मोटे-मोटे ऊनी कपड़ों के बीच ट्रेंडी नजर आना किसी चुनौती से कम नहीं है लेकिन कुछ चीजें सदाबहार होती हैं. इन टिप्स को अपनाकर आप भी ट्रेंडी और क्लासिक नजर आएंगी... तो खुद को तैयार कर लीजिए.

नाजुक पेस्टल रंगों का चयन

टोट या चेन स्ट्रैप, बैग चाहे जो भी हो, पर सुनिश्चित करें कि इस मौसम में सब नाजुक पेस्टल रंगों का ही हो.

समय की बचत

रोज और रोज गोल्ड घड़ियां देंगी रॉयल लुक.

आंखों की हिफाजत

कैट आइ सनग्लासेज को अलविदा कहें और बग आइ सनग्लासेज चुनें.

ज्वेलरी का कमाल

क्रिस्टल और राइनस्टोन (स्टफिक) ज्वेलरी की लेयर्स चमकीली होंगी और बहुत ज्यादा ध्यान अट्रैक्ट करेंगी.

जूतों का जादू

आरामदेह फैशन का स्थान सबकी सूची में अव्वल होता है. अपनी टीम वाली सैंडल्स की जगह डेपर लेदर मोकैसिन्स यानी सॉफ्ट चमड़े से बनें सपाट जूतें पहनें.

लिप्स का कमाल

होंठों पर लाल रंग की लिपस्टिक से ज्यादा आकर्षक भला और क्या लगेगा. इसलिए इस कलर को बेहिचकर लगाएं.

डेस्क जॉब से होने वाले नुकसानों से ऐसे बचें

लंबे वक्त तक डेस्क पर बैठे रहने से आपकी बॉडी में खिंचाव आ सकता है। यही वजह है कि फिट रहने के लिए चलना-फिरना और फ्लैक्सिबिलिटी जरूरी है। 9 से 5 की जॉब धीरे-धीरे आपकी हेल्थ खराब करने लगती है। यहां दिए तरीकों से आप कुछ कॉमन समस्याओं को दूर रख सकते हैं।

पीठ दर्द : भले ही आप एक्सर्साइज न करें लेकिन ध्यान रखें कि डेस्क पर सही पॉश्चर में बैठें। यह बेहद जरूरी है कि आपकी कुर्सी ठीक से रखी हो और आपके पैर न लटकते रहें। ध्यान रखें कि आपकी पीठ और गर्दन पर तनाव न हो। हफ्ते में दो-तीन बार एक्सर्साइज और ऐब्डॉमिनल क्रंचेस आपको मजबूती देंगे। इससे आपका पॉश्चर सही रहेगा और पीठ पर प्रेशर भी नहीं रहेगा।

कलाई में तनाव : लगातार टाइप करने, रिपोर्ट लिखने और ई-मे के जवाब देने से आपकी कलाई को काफी नुकसान हो सकता है। आप कितनी देर तक ऐसा करते हैं और कीबोर्ड यूज करते वक्त कलाई की पोजिशन क्या है, इसका भी फर्क पड़ता है। अगर हाथ में झंझनाहट या सुन्न पड़ने जैसी शिकायत हो तो सतर्क हो जाएं। बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें। तनाव से राहत के लिए नमस्ते की पोजिशन में हाथों को चेस्ट के सामने लाएं और कोहनी बाहर की ओर मूव करें, हाथों को तब तक झुकाएं जब तक कलाई में अच्छा-खासा स्ट्रेच न मसहूस होने लगे।

आंखों में परेशानी : क्योंकि कंप्यूटर स्क्रीन पर आपका काफी सारा वक्त जाता है, इससे आपकी आंखों में तनाव हो सकता है। इससे आंखों में ड्राइनेस और थकान हो सकती है। कंप्यूटर स्क्रीन आंखों से दूर रखें। स्क्रीन न ज्यादा दूर होनी चाहिए, न पास। लाइट की व्यवस्था सही रखें और स्क्रीन से हर 20 से 30 मिनट पर नजर हटाएं।

एक समय था जब बहुमंजिला इमारतों में आशियाना नहीं तलाशा जाता था, खुले आंगन और छोटे से बगीचे वाले आशियाने को प्राथमिकता दी जाती थी. बगीचे पर तो खासतौर पर ध्यान दिया जाता था, क्योंकि यही उन के घर की साजसज्जा का जरीया होता था और अपनी पसंद की सब्जियां वगैरह उगाने का भी. वक्त ने करवट बदली, तो आधुनिकता ने आंगन भी निगल लिया और बगीचा भी. लेकिन एक बार फिर लोगों में अपने घर पर एक छोटा सा बगीचा तैयार करने की उत्सुकता को देखा जा रहा है. भले ही लोग गार्डन को जरूरत या शौक के नजरिए से न देख लाइफस्टाइल स्टेटस में इजाफा समझ कर अपने आशियाने में जगह दे रहे हों, लेकिन होम गार्डन के ट्रैंड पर उन्होंने अपनी सहमति की मुहर जरूर लगा दी है.

इस बाबत बागबानी विशेषज्ञा डाक्टर दीप्ति कहती हैं, ''बगीचा होना अब घर की शान समझा जाता है. लोग इस में फैंसी पौधे और फूल उगाते हैं, जो घर की खूबसूरती को बढ़ाते हैं. असल में गार्डन होना और गार्डनिंग करने में बहुत अंतर है. भले गार्डन आशियाने की रौनक को बढ़ा दे, मगर उस में रहने वालों को इस का असली सुख तभी मिलेगा जब वे इस की उपयोगिता को भी समझेंगे.''

उपयोगिता बागबानी की

बागबानी समय का सब से अच्छा सदुपयोग है. बागबानी विशेषज्ञ डाक्टर आनंद सिंह कहते हैं, ''आज की भागतीदौड़ती दिनचर्या में किसी के पास वक्त नहीं है. लोग औफिस के काम से फुरसत पाते हैं तो घरेलू कार्यों में मसरूफ हो जाते हैं. फिर अगर समय मिलता है तो वीकेंड में शौपिंग करने निकल जाते हैं. कई बार तो फुजूलखर्ची करते हैं. ऐसे में मानसिक संतुष्टि मिलने के बजाय उलटा अवसाद घेर लेता है. अतः इस से अच्छा तो यह हो कि घर पर रह कर कुछ रचनात्मक काम किया जाए. इस में बागबानी से बेहतर और कोई विकल्प नहीं हो सकता है, क्योंकि यह आप को मानसिक सुख देने के साथसाथ अच्छी सेहत और भरपूर ज्ञान भी देगा.'' यहां डच (जरमनी) लोगों का उदाहरण देना सही रहेगा, क्योंकि वहां करीबकरीब सभी लोगों के पास अपना बगीचा है, जिस में खाली समय में वे बागबानी करते हैं. उन्हें मौल्स में घूमने से ज्यादा बेहतर बागबानी करना लगता है. यहां आम लोग ही नहीं वरन सैलिब्रिटीज भी गार्डनिंग का शौक रखते हैं. एक डच पत्रिका में जरमनी के मशहूर शैफ, जौन लफर के अनुसार, यदि वे देश के मशहूर शैफ न बन पाते तो खुशी से गार्डनिंग के पेशे में आते. वैसे शैफ जौन अभी भी अपने पेशे के अलावा गार्डनिंग में खास दिलचस्पी रखते हैं. यही वजह है कि वे अपने पौटेड प्लांट्स कलैक्शन के पैशन को छिपा नहीं पाते.

वैसे जरमनी ही नहीं हमारे देश में भी बहुत से लोग बागबानी का शौक रखते हैं, लेकिन विस्तृत जानकारी के अभाव और इस की उपयोगिता से अनजान होने की वजह से अपने शौक को बढ़ावा नहीं दे पाते. फिर भी कुछ सैलिब्रिटीज की बात करें तो बौलीवुड के अभिनेता और अभिनेत्रियां, जिन का ज्यादा वक्त शूटिंग करते ही बीतता है, खाली वक्त में या तो पार्टी करना पसंद करते हैं या फिर छुट्टियां बिताने विदेश पहुंच जाते हैं. लेकिन कुछ अरसा पहले एक इंटरटेनमैंट वैबसाइट को दिए इंटरव्यू में अभिनेत्री सेलिना ने कहा कि वे अपने प्रोफैशन से वक्त मिलते ही छत पर बनाई अपनी बगिया में पहुंच जाती है।

नैशनल ज्योग्राफिक औथर एवं रिसर्चर डैन बटनर के अध्ययन के अनुसार, बागबानी करने वालों का जीवन आम लोगों से 14 वर्ष अधिक होता है. कैसे, आइए जानें.

- बागबानी दिन में ही की जाती है, इसलिए जाहिर है कि बागबानी के दौरान सूर्य के संपर्क में आना पड़ता है, जिस से शरीर को विटामिन डी मिल जाता है. विटामिन डी शरीर को कैंसर और हृदय से जुड़ी बीमारियों से बचाता है.
- यह भ्रम है कि मिट्टी में हाथ सनने से बैक्टीरिया चिपक जाते हैं, जिस से संक्रमण का खतरा रहता है. दरअसल, मिट्टी प्राकृतिक बैक्टीरिया, मिनरल्स, माइक्रोऔर्गैनिज्म का प्रमुख स्रोत होती है. रोजाना मिट्टी के स्पर्श से शरीर का इम्यून सिस्टम अच्छाहोता है.
- लोगों में भ्रांति है कि नंगे पैर जमीन पर रखने से वे मैले हो जाते हैं. लेकिन यह सोचना गलत है. त्वचा का धरती से सीधा संपर्क शरीर में इलैक्ट्रिकल ऐनर्जी द्वारा पौजिटिव इलैक्ट्रोंस जेनरेट करता है.
- आधुनिक जीवनशैली में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने लोगों को अवसाद के आगोश में धकेल दिया है, जिस से तमाम तरह की बीमारियां जन्म ले रही हैं. बागबानी इन बीमारियों से बचने का एक सरल उपाय है, क्योंकि इस से मिलने वाला सुख शरीर पर प्रत्यक्ष रूप से असर डालता है और दिमाग को तनावमुक्त रखता है.
- बागबानी का अर्थ केवल फूल उगाना नहीं. घरों में किचन गार्डन भी तैयार किया जा सकता है. इस से मिलने वाली सब्जियां आप के शरीर को पोषण देने के साथसाथ ऐंटीऔक्सिडैंट भी देंगी और जहरीले तत्त्वों से भी शरीर की सुरक्षा करेंगी.
- बागबानी करने वालों को जिम जाने की जरूरत भी नहीं पड़ती, क्योंकि बागवानी में काम करते हुए ही पूरी ऐक्सरसाइज हो जाती है.

कम जगह और पैसों में भी संभव

यह सच है कि बागबानी महंगा शौक है. लेकिन आप चाहें तो कम पैसों में भी यह संभव हो सकती है. जरा सोचिए, फल और सब्जियों के आसमान छूते भाव के चलते अपनी जेब ढीली करने से बेहतर यही है कि घर पर ही इन्हें उगा लिया जाए, जो आप को अच्छा स्वाद, सेहत और संतुष्टि देने के साथसाथ आप के बजट को भी बिगड़ने नहीं देंगी. डाक्टर दीप्ति कहती हैं, ''आजकल बड़े शहरों में ताजा हवा के लिए औक्सीजन जोन बनाए जा रहे हैं. वहां लोग भारी कीमत चुका कर चंद घंटे गुजारने जाते हैं. लेकिन चंद घंटों में मिली ताजा हवा से क्या होता है? ऐसा आप महीने में 1 बार कर सकते हैं।

रेसिपी

एप्पल एंड डेट्स मिल्कशेक

सामग्री

- 150 ग्राम सेब
- 40 ग्राम खजूर
- 220 मि.ली दूध
- 2 टीस्पून दालचीनी पाउडर
- 1 कप बर्फ

विधि

ब्लेंडर में सेब, खजूर, दूध, दालचीनी पाउडर और बर्फ डालकर अच्छे से ब्लेंड कर लें। फिर मिक्सर को गिलास में निकाल लें। अब इसमें दालचीनी पाउडर मिलाएं और सेब की स्लाइस डालकर गार्निश करके सर्व करें।

ड्राय फूड लड्डू

सामग्री

घी- 1 टेबलस्पून, काजू- 50 ग्राम, बादाम- 50 ग्राम, पिस्ता- 50 ग्राम, अखरोट- 50 ग्राम घी- 1 टेबलस्पून, किशमिश- 70 ग्राम, सूखे अंजीर- 50 ग्राम, खजूर- 70 ग्राम, इलायची पाउडर- 1 टीस्पून, घी- 3 टेबलस्पून

विधि

एक पैन में 1 टेबलस्पून घी गर्म करके उसमें 500 ग्राम काजू, 50 ग्राम बादाम, 50 ग्राम पिस्ता और 50 ग्राम अखरोट डालकर 5-7 मिनट तक हल्का बाउन होने तक रोस्ट करें। इसके बाद एक ब्लैंडर में इस मिश्रण को डालकर अच्छी तरह ब्लैंड करके साइड पर रखें। पैन में घी गर्म करके 70 ग्राम किशमिस, 50 ग्राम सूखी अंजीर और 70 ग्राम खजूर डालकर 3-5 मिनट तक अच्छी तरह रोस्ट करें। अब इस इस मिश्रण को भी ब्लैंडर में डालकर अच्छी तरह ब्लैंड करके साइड पर रख लें। एक बाउल में इन दोनों मिक्चर को डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसमें 1 टीस्पून दालचीनी पाउडर और 3 टेबलस्पून घी डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसमें से थोड़ा मिक्चर लेकर हाथों से इसकी गेंदे बनाकर प्लेट में रखें। आपके ड्राई फरूट्स लड्डू बन कर तैयार है। अब आप इसे सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**